अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 225 | लखनऊ, सोमवार, 02 मार्च 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

मध्य पूर्व तनाव से हवाई सेवा प्रभावित, दिल्ली एयरपोर्ट पर 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व संकट के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर रविवार को 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के कारण विमानन कंपनियां परिचालन संबंधी दिक्कतों से जूझ रही हैं। पश्चिम एशिया में ताजा घटनाक्रम के मद्देनजर आईजीआईए पर प्रस्थान एवं आगमन से संबंधित क्रमशः 60 और 40 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की गई हैं।टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने अब तक विदेश के लिए 50 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। इस बीच इंडिगो ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर कहा है कि हम मिडिल ईस्ट और आस-पास के इलाकों में हो रहे डेवलपमेंट पर पूरी सावधानी से नजर रख रहे हैं। हम समझते हैं कि यह समय अनिश्चित लग सकता है और हम आपको भरोसा दिलाना चाहते हैं कि हर फ़ैसला सावधानी और समझदारी से लिया जा रहा है।

खामेनेई की हत्या और ईरान पर हमले के खिलाफ कई देशों ने जताया विरोध

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका-इजरायली हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गयी है। ईरान पर हमले पर प्रतिक्रिया देने में कई देशों ने जहां शब्दों के चयन में सावधानी बरती है तो कुछ देशों ने खुलकर विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र समेत रूस, यूरोपीय संघ , चीन, दक्षिण अफ्रीका, उत्तर कोरिया, मलेशिया, ओमान, इराक आदि देशों ने रविवार को खुले शब्दों में ईरान पर हमले का विरोध किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस प्रमुख ने रविवार को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हवाई हमलों की निंदा की और क्षेत्र तथा दुनिया को 'तबाही के कगार से वापस लाने' के लिए तत्काल बातचीत शुरू करने का आह्वान किया।

भाजपा और आप की मिलीभगत से लोकतंत्र पर सवाल : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर युवा कांग्रेस को शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति नहीं देना और दो दिन बाद अरविन्द केजरीवाल को कथित रूप से बरी होने के बाद जश्न मनाने की अनुमति देना भाजपा और आम आदमी पार्टी की मिलीभगत को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले और दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़ी लगभग 14 सीएजी रिपोर्टों पर कार्रवाई न करना गंभीर प्रश्न खड़े करता है। श्री यादव ने आरोप लगाया कि पहले सबूतों के आधार पर कार्रवाई कर नेताओं को जेल भेजा गया।

केंद्र समावेशी विकास और प्रगति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : मोदी

- प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 4,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ, तिरुपरंकुंद्रम मुरुगन मंदिर में किए दर्शन

एजेंसी

मदुरै। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के मदुरै में 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाला बुनियादी ढांचा केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों को सशक्त बनाते हुए संपर्क सुविधा को मजबूत करता है, अर्थव्यवस्था को गति देता है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करता है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले बारह वर्षों में केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास में व्यापक निवेश किया है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में 4,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है, जिससे औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से कृषि एवं समुद्री उत्पादों के परिवहन में तेजी आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले दशक में भारतीय रेलवे में ऐतिहासिक परिवर्तन हुए हैं। वर्ष 2009 से 2014 के बीच जहां औसत वार्षिक बजट आवंटन 880 करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2026-27 में यह बढ़कर 7,600 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य में 1,300 किलोमीटर से अधिक नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं तथा 97 प्रतिशत रेल मार्गों का विद्युतीकरण पूरा किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्तमान में तमिलनाडु में 9 वंदे भारत और 9 अमृत भारत ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जिनके कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में निर्मित किए जा रहे हैं। इससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राज्य के 77 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिनमें से आठ पुनर्विकसित स्टेशनों का उद्घाटन किया गया। साथ ही चेन्नई बीचऽचेन्नई एग्मोर के बीच चौथी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की गई, जिससे हजारों दैनिक यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि सूचना एवं संचार सुविधाओं का विस्तार लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। तमिलनाडु में बुनियादी ढांचा विकास के लिए केंद्र सरकार का निवेश पिछले दशक की तुलना में तीन गुना बढ़ा है। बेंगलुरुऽचेन्नई तथा चेन्नईऽहैदराबाद बुलेट ट्रेन गलियारों के प्रस्ताव से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने पुडुचेरी को 2,700 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी, 'बेस्ट' विजन पर जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी को 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुडुचेरी के विकास को 'बेस्ट पुडुचेरी' की थीम पर किया गया है। 'बेस्ट' का अर्थ है बिजनेस, एजुकेशन, स्प्रिच्युअलिटीऔर टूरिज्म। पिछले साढ़े चार वर्षों में यह संकल्प ठोस परिणाम दे रहा है। प्रधानमंत्री ने पुडुचेरी में एल कार्यक्रम में रविवार को 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि जब केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें एक समान दृष्टि और समर्पण के साथ कार्य करती हैं तो परिणाम शीघ्र और बेहतर मिलते हैं। डबल इंजन की सरकार ने विकास को गति दी है और जनजीवन को सरल बनाया है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले पुडुचेरी को राजनीतिक स्वार्थ का माध्यम बनाया गया, जबकि वर्तमान सरकार विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष के केंद्रीय बजट में आधारभूत संरचना निर्माण के लिए रिकॉर्ड 12 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका लाभ पुडुचेरी सहित देश के सभी क्षेत्रों को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि पुडुचेरी को 'राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता' योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है। पहले यह योजना केवल पूर्ण राज्यों तक सीमित थी। इस निर्णय से सड़क, जल आपूर्ति, तटीय ढांचा, विद्यालय, अस्पताल और अन्य लोक उपयोगी कार्यों के लिए अतिरिक्त धन उपलब्ध होगा।

नागपुर फैक्ट्री विस्फोट में 17 लोगों की मौत, 18 घायल

- प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार सुबह विस्फोटक निर्माण फैक्ट्री 'एसबीएल एनर्जी लिमिटेड' में हुए धमाके में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 18 अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को तत्काल नागपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार सुबह करीब 7:15 बजे फैक्ट्री की डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में अचानक तेज धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि यूनिट में तुरंत भीषण आग लग गई और आसपास के क्षेत्रों में दहशत फैल गई। धमाके की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई, जिससे स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। इसके साथ ही राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को भी राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया है। पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) तथा औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएएस) के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। प्रशासन को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना को अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

'होलिकोत्सव' भारतीय संस्कृति का जीवन्त उत्सव : योगी

- मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रंगों के पावन पर्व 'होली' पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि 'होलिकोत्सव' भारतीय संस्कृति का जीवंत उत्सव है, जो सामाजिक समरसता, आत्मीयता, उत्साह और एकता की भावना को और सशक्त बनाता है। यह पर्व केवल रंगों का नहीं, बल्कि परस्पर सम्मान, सौहार्द और सहयोग का प्रतीक है।

रविवार को जारी अपने शुभकामना सन्देश में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विविधताओं से सम्पन्न उत्तर प्रदेश में हमारी साझा परम्पराएं और लोक-उत्सव समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हैं। 'होली' हमें द्वेष, भेदभाव और नकारात्मक प्रवृत्तियों से ऊपर उठकर प्रेम, विश्वास और सकारात्मकता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि त्योहार को हर्षोल्लास, शालीनता और मर्यादा के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह, उकसावे या असामाजिक गतिविधियों से दूर रहें और प्रशासन का सहयोग करें। सभी जिलों में सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत किया गया है ताकि रंगोत्सव शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'होली' का संदेश समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमन्द लोगों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है। त्योहार की सच्ची खुशी तभी सार्थक होती है जब वह सभी के जीवन में पहुंचे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्थानीय उत्पादों का उपयोग कर 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को प्रोत्साहित करने की अपील की, ताकि प्रदेश के हस्तशिल्पियों और छोटे उद्यमियों के जीवन में खुशहाली के रंग भरे जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज विकास, रोजगार, सुरक्षा, सुशासन और सामाजिक सद्भाव के नए मानक स्थापित कर रहा है। ऐसे में 'होली' जैसा पर्व हमारे सामूहिक संकल्प को और दृढ़ करता है कि हम एक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक समाज का निर्माण करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पर्व प्रदेश में नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और सकारात्मक सोच का संचार करेगा।

देश में डर का माहौल : अरविंद केजरीवाल

- आआपा ने जंतर-मंतर से भाजपा और दिल्ली सरकार को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेताओं ने रविवार को जंतर-मंतर पर जनसभा करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और दिल्ली सरकार को घेरा।

आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनसभा को संबोधन करते हुए कहा कि देश में इस समय डर का माहौल है और उसके बावजूद जज साहब ने देश के हक में धाकड़ फैसला सुनाया, उसके लिए वे जज साहब का शुक्रिया अदा करते हैं।

उन्होंने कहा कि वे भारत मां से प्यार करता हैं और अपना पूरा जीवन देश की सेवा और विकास के लिए समर्पित कर दिया। जब वे आयकर विभाग में कमिश्नर थे तो वहां भी उनकी ईमानदारी के चर्चे होते थे, उनकी ईमानदारी की कसमें खाई जाती थीं। इसके बाद जब वे दिल्ली का मुख्यमंत्री बने, उस दौरान भी उन्होंने किसी से भी एक पैसा नहीं लिया और पूरी ईमानदारी से काम किया ।

केजरीवाल ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस से परेशान हो गई थी और लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदीजी की सरकार बनाई थी। लेकिन कुछ नहीं सुधरा बल्कि और भी ज्यादा बर्बाद कर दिया है। पूरे देश में पेपर लीक हो रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी परीक्षा पर चर्चा कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करके पूरे देश को संदेश देना चाहा कि अगर ईमानदारी से काम करोगे तो अरविंद केजरीवाल जैसा हाल होगा।आआपा ने देश के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को उम्मीद दी और भाजपा को इससे डर लग गया था, इसलिए उन्हें जेल में डाला गया।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में एक साल पहले भाजपा की सरकार आई थी और उसके भुक्त भोगी यहां मौजूद हैं। इन्होंने रैलियों में बड़े-बड़े जुमले दिए थे। लेकिन अब इन्होंने हजारों लोगों की नौकरियां छीन ली हैं।

आआपा नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी सेना काजल की काल कोठरी से बिना किसी दाग लगे बाहर आई। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के हौसले को सलाम करने के लिए जंतर-मंतर पर आआपा की सेना उमड़ पड़ी है।

जेपी नड्डा का ममता सरकार पर हमला, बोले-

घुसपैठियों के कारण बंगाल के मूल निवासी हो जाएंगे अल्पसंख्यक

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक सरगर्मी के बीच केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने रविवार को ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार घुसपैठियों की मदद कर रही है, जिसके कारण पश्चिम बंगाल के मूल निवासी भविष्य में अल्पसंख्यक बन सकते हैं।

नदिया जिले के कृष्णानगर में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' को हरी झंडी दिखाने के दौरान आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य को घुसपैठियों का हब बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है और टीएमसी का मतलब ल्ल्टेरर, मुस्लिम तुष्टिकरण और भ्रष्टाचारङ्क बन गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने यह भी कहा कि ममता बनर्जी सरकार ने राज्य में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं होने दी, जिससे लगभग 40 लाख परिवारों को पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज से वंचित रहना पड़ा।उन्होंने दावा किया कि यदि भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है, तो आयुष्मान भारत योजना को तुरंत लागू किया जाएगा और लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

उप्र की विद्युत सखियों ने रचा इतिहास ओटीएस में बना रिकॉर्ड : केशव मौर्य

- विद्युत बिल कलेक्शन में विद्युत सखियों का अभूतपूर्व योगदान
- ग्रामीण ऊर्ज़ा सेवा में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व एवं निर्देशन में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों की दीदियाँ आज विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से न केवल अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य के गतिशील नेतृत्व के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। विद्युत बिल कलेक्शन में दीदियों की सक्रिय भागीदारी और उससे अर्जित आय में निरंतर वृद्धि को विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के प्रधानमंत्री के विजन को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस कार्यक्रम से महिलाओं की आमदनी में वृद्धि तो हो ही रही है, साथ ही समाज में उनका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा भी निरंतर बढ़ रही है।

खामेनेई की मौत की खबर के बाद लखनऊ सहित यूपी में कई जगह प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई

लखनऊ। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर के बाद उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित कई जिलों में शिया समुदाय के लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। लखनऊ में

रोती महिलाओं सहित बड़ी संख्या में छोटा इमामबाड़ा से लोगों ने हाथों में पोस्टर लेकर प्रदर्शन कर पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने खामेनेई जिंदाबाद और अमेरिका इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगाये। इस प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। अमेरिका और इजराइल के युद्ध के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन शुरू हो गये हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शिया समुदाय के हजारों लोग सड़कों पर उतरे। महिलाएं रोती बिलखते हुए मातम करते हुए दिखीं। छोटा इमामबाड़ा से भारी संख्या में लोगों ने हाथों में पोस्टर लेकर प्रदर्शन करते हुए पैदल मार्च निकाला।

लखनऊ की शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि अमेरिका-इजराइल ने जो आतंकी कृत्य किया है। पूरे विश्व को मिलकर इसका विरोध करना चाहिए। खामेनेई की मौत के बाद सभी देशों को अपने राष्ट्रीय ध्वजों को श्रद्धांजलि में झुकना चाहिए। शिया समुदाय के लोग तीन दिन का शोक मनाने हुए अपनी प्रतिष्ठान बंद रखेंगे।ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी तीन दिवसीय शोक की घोषणा कर की गई है। बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास की इस घोषणा के बाद बड़ा और छोटा इमामबाड़ा अगले तीन दिन के लिए पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। मौलाना कल्बे जवाद ने बताया कि खामेनेई की मौत पर रविवार रात आठ बजे छोटे इमामबाड़ा में शोकसभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने भारी संख्या में लोगों से पहुंचने की अपील की है। इसके अलावा बरेली, जौनपुर, संभल समेत कई जिलों में प्रदर्शन हो रहे हैं। बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्लाह अली खामेनेई की शहादत पूरी मिल्लत इस्लामिया के लिए दुख की बात है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अमन व शांति के साथ विरोध करें। इस बात की व्यवस्था रखें कि जुलूस में शामिल कोई भी व्यक्ति कानून को अपने हाथ में न लें।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में हो रहे प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने सभी जिलों के पुलिस कप्तान, पुलिस कमिश्नरेट को निर्देश दिए है कि किसी भी हालत में प्रदेश की कानून व्यवस्था न बिगड़ने पाए।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से बदली तकदीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिणाम दे रहा है। आजमगढ़ के 25 वर्षीय अविनाश सिंह इसकी सशक्त मिसाल बनकर उभरे हैं। सीमित संसाधनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने सरकारी योजना का लाभ उठाकर न केवल स्वयं का व्यवसाय स्थापित किया, बल्कि पांच युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराया।

बीएससी गणित की पढ़ाई इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पूरी करने वाले अविनाश एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। परिवार में माता-पिता तथा पांच भाई बहन हैं। बड़ा बेटा होने के कारण घर की आर्थिक जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। परिवार की सीमित आय और भविष्य की

आजमगढ़ के अविनाश ने बनाई डिजिटल लाइब्रेरी चेन

चिंताओं के बीच उन्होंने रोजगार की तलाश के बजाय उद्यमिता का रास्ता चुना। जनवरी 2025 में उन्हें ऑनलाइन माध्यम से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की जानकारी मिली। योजना के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के बाद उन्होंने जिला उद्योग केंद्र में संपर्क किया और आवश्यक दस्तावेज जमा कर आवेदन प्रक्रिया पूरी की। अधिकारियों के मार्गदर्शन से उनका आवेदन शीघ्र स्वीकृत हुआ। फरवरी 2025 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से उन्हें पांच लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। यह ऋण बिना किसी गारंटी और बिना कुछ गिरवी रखे मिला। 21 फरवरी को पहली किस्त के रूप में दो लाख 57 हजार रुपये और एक सप्ताह बाद दूसरी

किस्त के रूप में एक लाख 53 हजार रुपये सीधे उनके खाते में जमा किए गए। योजना के तहत ब्याज में भी विशेष राहत प्रदान की गई। प्राप्त राशि से अविनाश ने आजमगढ़ में 'विद्या डिजिटल लाइब्रेरी' की स्थापना की। यहां छात्रों को आधुनिक डिजिटल संसाधनों के माध्यम से ऑनलाइन अध्ययन की सुविधा दी जाती है। क्षेत्र के विद्यार्थियों को शांत और तकनीकी रूप से सुसज्जित वातावरण उपलब्ध कराने की इस पहल को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वर्तमान में इस उद्यम से उन्हें प्रतिमाह 30 हजार रुपये से अधिक की आय हो रही है, साथ ही वे नियमित रूप से 10 हजार रुपये से अधिक की मासिक किस्त जमा कर रहे हैं। व्यवसाय की सफलता से उत्साहित होकर अविनाश ने आजमगढ़ में ही दूसरी डिजिटल लाइब्रेरी भी शुरू कर दी। अब वे वर्ष के मध्य तक प्रयागराज में तीसरी शाखा खोलने की तैयारी कर रहे हैं। अल्प समय में मिली सफलता ने उनके आत्मविश्वास को नई मजबूती दी है। अविनाश का कहना है कि यदि युवा दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें और सरकारी योजनाओं का सही उपयोग करें, तो आत्मनिर्भरता का लक्ष्य दूर नहीं है। उनका मानना है कि यह अभियान उन युवाओं के लिए अवसर का द्वार है जो स्वयं का व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं। अविनाश की यात्रा यह दर्शाती है कि उचित मार्गदर्शन, सरकारी सहयोग और परिश्रम के बल पर युवा न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं, बल्कि समाज में रोजगार सृजन की नई राह भी खोल सकते हैं।

बिरयानी की दुकान के फ्रिज में मिला युवक का शव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बीकेटी थानाक्षेत्र में रविवार को एक बिरयानी की दुकान में रखी फ्रिज के अंदर युवक का शव मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मौका मुआयना किया। शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। फारेंसिक टीम और फील्ड यूनिट ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि बीकेटी थाना क्षेत्र स्थित जीसीआरजी कॉलेज के सामने एक बिरयानी की दुकान में फ्रीजर के अंदर युवक के शव मिलने की सूचना मिली थी। मौके पर पुलिस की टीम ने शव को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की बारीकी से जांच की। मृतक की जेब से प्राप्त आधार कार्ड और सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान

किशुनपुर निवासी विजय पाल (38) के रूप में की है। घटना की जानकारी पर दुकान मालिक शनि रावत ने बताया कि उसके पिता की तीन दिन पहले मृत्यु हो गई थी। इसकी वजह से दुकान बंद थी। मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई। वहीं, घटना के संबंध में आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी चेक किया जा रहा है।

कायस्थ वाहिनी अंतर्राष्ट्रीय के राष्ट्रीय सचिव राकेश श्रीवास्तव मनोनीत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भगवान चित्रगुप्त को सर्वसमाज में स्थापित करने के उद्देश्य से निरन्तर गतिशील सामाजिक संगठन कायस्थ वाहिनी अंतर्राष्ट्रीय ने अपने राजनीतिक प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया।

हिन्दू युवा वाहिनी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष ईमानदार , स्पस्ट वक्त और प्रयासरत राकेश श्रीवास्तव को उनके पिछले कार्यप्रणाली को ध्यान रख राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने यह निर्णय लिया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी को अपने विचार रखते हुए राकेश श्रीवास्तव ने कहा संगठन प्रमुख आदरणीय पंकज भईया कायस्थ के विचारों और संगठन के उद्देश्य को अब भारत के प्रत्येक कायस्थ तक पहुचाना हमारा प्रथम कर्तव्य होगा। न्यवनयुक्त प्राष्ट्रीय सचिव (राजनीतिक प्रकोष्ठ) को पूरे पदेश के भिन्न भिन्न जनपदों से बधाई का तांता लगा है - मुख्य रूप से प्रवीण

श्रीवास्तव, साधना श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, अभिजीत सिन्हा, ऋषि भटनागर, आशुतोष निगम, शैरभ कुलश्रेष्ठ, शुभम कुलश्रेष्ठ, गौरव श्रीवास्तव , आशिष सक्सेना, रवि खरे, आदर्श श्रीवास्तव, तरुण श्रीवास्तव, रवि शंकर, मुकेश श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, रणविजउ सिंह, रणधीर सिंह, संजय माथुर, आशीष वर्मा, सचिन श्रीवास्तव सहित पूरे भारत के पदाधिकारियों की बधाई निरन्तर जारी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावास में छात्र ने की खुदकुशी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र ने रविवार को छात्रावास के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हसनगंज थाना प्रभारी चितवन कुमार ने बताया कि मूलरूप से बलिया जिले का रहने वाला नवीन कुमार (20) लखनऊ विश्वविद्यालय से बीएससी एग्रीकल्चर सेकेंड सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहा था। वह यहां पर विश्वविद्यालय के सुभाष हॉस्टल के कमरा नंबर 52 में रहता था। रविवार को नवीन जब अपने कमरे से बाहर नहीं निकला तो अन्य साथी उसे जगाने पहुंचे। कमरे के बाहर से कई बार आवाज देने और खटखटाने के बाद दरवाजा नहीं खुला। इस पर सहपाठियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को अवगत कराया गया। प्रशासन की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि छात्र नवीन का शव फांसी के फंदे से लटक रहा है। सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य एकत्रित किया गया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों से लगभग 36 लाख बच्चों तक पहुंच रहा ताजा गर्म भोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाल पोषण को लेकर योगी सरकार ने मजबूती से काम करते हुए देश में एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। 'पोषण 2.0' के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाले 03 से 06 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को ताजा गर्म भोजन (हॉट कुक्ड मील) उपलब्ध कराया जा रहा है। इस व्यवस्था के अंतर्गत लगभग 36 लाख बच्चों तक गर्म भोजन पहुंच रहा है। सरकार की यह पहल केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और विकास की समग्र रणनीति से जोड़ा गया है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक पात्र बच्चे को नियमित, संतुलित और गर्म भोजन मिले, जिससे कुपोषण की समस्या पर

प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। 300 दिन पोषण की गारंटीहॉट कुक्ड मील के अंतर्गत 03-06 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को माह में 25 दिन तथा वर्ष में 300 दिन अनुपूरक पुष्टाहार प्रदान किए जाने की व्यवस्था है। इसी के तहत प्रति लाभार्थी प्रतिदिन 4.50 रुपये की दर से व्यय निर्धारित है। अयोध्या से शुभारम्भ, पूरे प्रदेश में विस्तारराज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार प्रदेश में हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारम्भ अगस्त 2022 में जनपद अयोध्या में किया गया था। इस औपचारिक शुरुआत के बाद योजना को लगभग साढ़े तीन साल में चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में विस्तारित किया गया। सरकार की मंशा स्पष्ट रही कि बाल्यावस्था में पोषण की कमी भविष्य की शैक्षिक और शारीरिक प्रगति में बाधा न बने। इसके परिणामस्वरूप 03 से 06 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में नामांकन और उपस्थिति दोनों में वृद्धि दर्ज की गई है। योजना के संचालन से बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के सकारात्मक संकेत मिले हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आए दो यात्रियों के पास मिला करोड़ों का मादक पदार्थ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो यात्री पकड़े गए। इनके पास से करीब 18 करोड़ रुपये की 18 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद की गई है। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम के मुताबिक, दो यात्री थाई एयर एशिया की उड़ान एफडी-146 से बैंकाक लखनऊ पहुंचे थे। टीम ने शक के आधार पर दोनों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान 12 पॉलिथीन पैकेट में हाइड्रोपोनिक वीड बरामद की गई। यह साधारण गांजे से कही ज्यादा नशीली और महंगी होती है। डीआरआई के अधिकारियों ने बताया कि आरोपितों की पहचान यूपी के मो. फराज और झारखंड की रहने वाली महिला नीतू के रूप में हुई। आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इनके पास से बरामद प्रतिबंधित सामग्री को एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जब्त कर लिया गया है।

नीतीश कुमार के 75वां जन्मदिन पर पूजन-हवन और वृक्षारोपण हुआ

लखनऊ। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 75वां जन्मदिन राजधानी लखनऊ में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। जदयू उत्तर प्रदेश इकाई की ओर से प्रदेश कार्यालय और आशियाना क्षेत्र में पूजन, हवन, केक काटने और वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। जदयू उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चित्र के समक्ष केक काटा गया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई दी और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने बदायूं से जारी अपने संदेश में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे मुख्यमंत्री के विचारों और बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच पहुंचाएं तथा उत्तर प्रदेश में पार्टी संगठन को मजबूत और सक्रिय बनाने का संकल्प लें। जन्मदिन के अवसर पर पार्टी कार्यालय परिसर में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव भैया हरिशंकर पटेल, प्रदेश महासचिव सुभाष पाठक, प्रदेश कोषाध्यक्ष अमर सिंह कटियार, प्रदेश कार्यालय प्रभारी ओमप्रकाश वर्मा, वरिष्ठ नेता डॉ. जितेंद्र सिंह सचान, एस.के. सचान, बिहार प्रदेश युवा जदयू के प्रदेश महासचिव अजय पटेल, बौद्ध अरविंद सिंह पटेल, मुसाफिर सिंह, आशुतोष सिंह, अवधेश सिंह, बृजभूषण सिंह, विवेक सिंह, फूल चंद्र आर्या, किरण द्विवेदी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा जदयू जिला लखनऊ की ओर से जिला अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में आशियाना क्षेत्र स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हवन-पूजन का आयोजन किया गया। यहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए विशेष पूजा-अर्चना की गई।

भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक अहम पड़ाव : अशोक चांडक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) भारत सरकार और माइक्रोन टेक्नोलॉजी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के साणंद में माइक्रोन की अत्याधुनिक एटीएमपी (असेंबली, टैस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) फैसिलिटी के ऐतिहासिक उद्घाटन पर बधाई देती है। इस आयोजन में उपस्थित रहे, आईईएसए के प्रेसिडेंट अशोक चांडक ने इस घटना को भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक अहम पड़ाव बताते हुए कहाः यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी कि मैंने स्वयं इतिहास बनते हुए देखा। प्रधानमंत्री के तीन शब्दों ने सब कुछ कह दिया - 'भारत तैयार है, भारत भरोसेमंद है, और भारत काम करके दिखाता है' - यह एक विश्व स्तरीय चिप ईकोसिस्टम बनाने में देश के भरोसे का एक शक्तिशाली ऐलान था। माइक्रोन के एटीएमपी प्लांट का चालू होना भारत की सेमीकंडक्टर नीति के इरादे को लागू करने और मैन्युफैक्चरिंग की तैयारी में सफलतापूर्वक बदलने का सबूत है। यह भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, गुजरात सरकार की मज़बूत प्रतिबद्धता और हमारी महत्वपूर्ण सदस्य कंपनी माइक्रोन के भारत की डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर भरोसे को दिखाता है। यह सिर्फ एक प्लांट का उद्घाटन नहीं है - यह एडवांस्ड सेमीकंडक्टर डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग में भारत का एक गंभीर, भरोसेमंद और तेज़ी से उभरता हुआ खिलाड़ी बनना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह कहना कि भारत में डिज़ाइन किए गए चिप्स भारत में ही बनाए जाएंगे और जल्द ही, हमारी अपनी सीमाओं के अंदर एक पूरा सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम बनेगा - पूरे ईकोसिस्टम के लिए एक स्पष्ट आह्वान है। यह भारतीय डिज़ाइन केन्द्रों के साथ मेमोरी मैन्युफैक्चरिंग में देश की पहली उपलब्धि है - तथा निश्चित रूप से और भी बहुत कुछ आने वाला है। माइक्रोन का 22,516 करोड़ (लगभग 2.75 अरब यूएस डॉलर) का बड़ा निवेश, भारत में उनके डिज़ाइन सेंटर्स के अलावा, भारत के मैन्युफैक्चरिंग लैंडस्केप में किसी वैश्विक सेमीकंडक्टर लीडर के सबसे बड़े वायदों में से एक है। यह फैसिलिटी ड्राम, नंद और सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी) प्रोडक्ट्स बनाएगी - ये अहम मेमोरी कम्पोनेंट हैं जो एआई सिस्टम, हाई-परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग, स्मार्टफोन, डेटा सेंटर, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और नेक्स्ट जेनरेशन डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को ताकत देते हैं। मेमोरी मैन्युफैक्चरिंग रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ ही देशों के पास यह क्षमता है। दुनिया भर में मांग तेज़ी से बढ़ रही है - खासकर एआई वर्कलोड की वजह से - और अल्पकालिक आपूर्ति का दबाव बना हुआ है, ऐसे में भारत का माइक्रोन के डिज़ाइन सेंटर्स के अलावा मेमोरी मैन्युफैक्चरिंग में अपनी मौजूदगी बनाना सही वक्त पर हुआ है और यह कदम परिवर्तनकारी है।

अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शिया मुस्लिम महिलाओं ने छाती पीटकर किया विरोध प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इजरायल और अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर का असर रविवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी देखने को मिला। घंटाघर क्षेत्र के पास बड़ी संख्या में शिया मुसलमान सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने खामेनेई की तस्वीरें हाथ में लेकर नारेबाजी की और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। काले कपड़े पहनकर विरोध-प्रदर्शन के दौरान महिलाएं रोती नजर आईं। उनका कहना है कि खामेनेई शेर थे। उन्होंने कहा कि खामेनेई को धोखे से मारा गया है। इस दौरान लोगों ने छाती पीटकर अपना विरोध दर्ज कराया तथा इजरायल और अमेरिका के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि खामेनेई की हत्या की गई है और यह कार्रवाई धोखे से की गई। उनका आरोप था कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों ने विश्वासघात किया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि एक खामेनेई के जाने के बाद भी उनके विचार जिंदा रहेंगे। एक प्रदर्शनकारी महिला ने रोते हुए कह रही है कि... खामेनेई को धोखे से मारा गया। जिनकी नस्ब्लों में धोखा है, उन्होंने मारा है मेरे खामनेई को। खामेनेई मेरा शेर था। कल भी शेर था। आज भी शेर है और कयामत तक शेर रहेगा। एक खामेनेई मरेगा तो हजार खामेनेई पैदा होगा। हम मांओ ने बेटे जने हैं कुर्बानियां देने के लिए। अपनी छाती पीटती हुई महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि अमेरिका और इजरायल पर लानत है। ये धोखेबाज और गद्दार हैं। इनसे कभी वफा नहीं हो सकती है।

होली : इंटरनेशनल कल्चरल डेस्टिनेशन की ओर यूपी, धार्मिक पर्यटन को विश्व मंच पर उतारने की तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इस बार योगी सरकार उत्तर प्रदेश को इंटरनेशनल कल्चरल डेस्टिनेशन बनाने और धार्मिक पर्यटन को विश्व मंच पर उतारने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार होली को फाल्गुनी उत्सव की मूल भावना से जोड़ते हुए ग्लोबल पिलग्रिम फ़ेस्टिवल के रूप में प्रस्तुत करने जा रही है। इससे ऋतु, धर्म, संस्कृति और पर्यटन एकसूत्र में पिरोए जाएंगे। उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर मनाई जाने वाली होली सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत को आज भी उसी जीवंतता से आगे बढ़ा रही है। फाल्गुन का महीना जैसे ही दस्तक देता है, उत्तर भारत की हवाओं में एक अलग ही मादकता घुल जाती है। आम्र-मंजरियों की सुगंध, कोयल की कू, ढोल-मंजीरों की थाप और फाग गीतों की गूंज यह संकेत देती है कि रंगों का महापर्व आ गया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी की मानें तो होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है। इसका मूल अर्थ है असत्य पर सत्य की जीत, अहंकार पर भक्ति की विजय और विभाजन

सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत आज भी उसी जीवंतता के साथ आगे बढ़ रही

पर मिलन का उत्सव। इसी अर्थ को आधार बनाकर इस बार धार्मिक स्थलों की होली को वैश्विक पर्यटन से जोड़ने की योजना है। इसका उद्देश्य होली के आध्यात्मिक संदेश को विश्व मंच तक पहुंचाना और इसे फ़ेस्टिवल ऑफ हार्मनी के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि इस बार लक्ष्य केवल पारंपरिक उत्सव नहीं, बल्कि ग्लोबल फ़ेथ एंड कल्चर फ़ेस्टिवल की अवधारणा के साथ होली को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना है। सरकार, पर्यटन उद्योग, सांस्कृतिक संस्थाएं और स्थानीय प्रशासन मिलकर ऐसा मॉडल तैयार किए हैं, जो भारत की आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचा सके। **सनातन परंपरा का प्रतीक होलिका दहन–** वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार सियाराम पाण्डेय ने बताया कि होली का पहला अध्याय होलिका दहन से शुरू होता है, जो भक्त प्रह्लाद की कथा से जुड़ा है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय दर्शन का संदेश है। अहंकार और अन्याय का अंत निश्चित है। गांव-गांव और शहर-शहर में जलती होलिका भारतीय संस्कृति की उस जड़ों से जुड़ी आस्था का प्रतीक है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है। ब्रज और काशी के धार्मिक स्थलों पर होलिका दहन को सांस्कृतिक-आध्यात्मिक आयोजन के रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी है, ताकि विदेशी पर्यटक इसके दार्शनिक अर्थ को समझ सकें।

ब्रज : राधा–कृष्ण की लीलाओं से जन्मी रंग परंपरा– मथुरा और वृंदावन में होली का अर्थ केवल रंग खेलना नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम का उत्सव है। बांके बिहारी मंदिर की फूलों की होली इस भाव को जीवंत करती है, जहां रंग नहीं, भावनाएं बरसती हैं। बरसाना की लट्ठमार होली भी प्रतीकात्मक है। यह नारी-पुरुष के मधुर संवाद और सांस्कृतिक परंपरा का जीवंत रूप है।

इस बार इन आयोजनों को इस तरह प्रस्तुत करने की योजना है कि विश्वभर से आने वाले पर्यटक केवल दृश्य नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपे सांस्कृतिक अर्थ को भी समझ सकें।

काशी : अध्यात्म और लोक का संगम– वाराणसी में होली का अर्थ है जीवन की क्षणभंगुरता के बीच आनंद की स्वीकृति। काशी विश्वनाथ मंदिर और गंगा घाटों पर फाग गीतों के साथ मनाई जाने वाली होली यह संदेश देती है कि जीवन रंगों की तरह विविध है और हर रंग का अपना महत्व है। यहां होली को स्पिरिचुअल एक्सपीरियंस के रूप में प्रचारित करने की तैयारी है, ताकि विदेशी पर्यटक इसे केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव के रूप में ग्रहण करें। काशी में होली केवल उत्सव नहीं, बल्कि 'जीवन एक उत्सव है' की भारतीय अवधारणा का प्रदर्शन है। यहां साधु-संतों से लेकर आम जन तक, सभी एक ही रंग में रंग जाते हैं समरसता के रंग में।

अयोध्या : फाल्गुन में मर्यादा का रंग– अयोध्या में होली का अर्थ रामराज्य की उस अवधारणा से जुड़ता है, जहां समाज में समानता और प्रेम सर्वोपरि है। सरयू तट पर आयोजित कार्यक्रमों में यह संदेश देने की योजना है कि रंग सभी भेद मिटा देते हैं। जाति,वर्ग और भाषा की सीमाएं समाप्त हो जाती हैं। सरयू तट पर भजन-कीर्तन और रंगोत्सव भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को मजबूत करते हैं, जिसमें उत्सव समाज को जोड़ने का माध्यम है।

विश्व पर्यटन से जुड़ाव: पर्यटन एवं परम्परा से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि होली के मूल अर्थ सत्य, प्रेम और समरसता को केंद्र में रखकर आयोजन किए जाएं तो यह उत्सव वैश्विक शांति और सांस्कृतिक संवाद का माध्यम बन सकता है। ट्रैवल कंपनियां 'होली विद मीनिंग' थीम के तहत ऐसे पैकेज तैयार करने पर विचार कर रही हैं, जिनमें पर्यटक धार्मिक कथाओं, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक दर्शन को समझ सकें। इससे पर्यटन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ज्ञान और अनुभव का माध्यम बनेगा। **आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव**: समाजसेवी डॉ अखिलेश वर्मा ने कहा कि होली के अर्थ से जुड़े आयोजनों से स्थानीय कलाकारों, पुजारियों, गाइडों और हस्तशिल्प कारीगरों को भी लाभ मिलेगा। जब पर्यटक किसी त्योहार का दर्शन समझते हैं, तो वे उससे जुड़ी वस्तुओं और परंपराओं में अधिक रुचि लेते हैं। इस प्रकार होली का आध्यात्मिक संदेश पर्यटन और अर्थव्यवस्था दोनों को नई दिशा दे सकता है।

लोककला, संगीत और साहित्य का पर्व: लोकगायक धर्मेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि होली भारतीय लोककला और साहित्य से भी गहराई से जुड़ी है। फाग, ठुमरी, दादरा और शास्त्रीय संगीत की विशेष प्रस्तुतियां इस पर्व का हिस्सा हैं। तुलसी, सूर और कबीर की रचनाओं में होली का वर्णन भारतीय साहित्यिक परंपरा की समृद्धि को दर्शाता है।

संस्कृति से पर्यटन तक: जब किसी उत्सव के पीछे इतनी गहरी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि हो, तो वह विश्व पर्यटन के लिए भी आकर्षण बनता है। विदेशी पर्यटक केवल रंग देखने नहीं आते, बल्कि भारतीय संस्कृति को समझने की जिज्ञासा लेकर आते हैं। उत्तर प्रदेश इस बार होली को इंडियन कल्चरल एक्सपीरियंस के रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी में है, जहां पर्यटक धार्मिक कथा,लोक परंपरा,संगीत और सामाजिक दर्शन का अनुभव कर सकें।

भारतीयता का रंग– समाजसेवी राजकिशोर की मानें तो होली भारतीय संस्कृति का वह दर्पण है, जिसमें आस्था, प्रेम, कला, संगीत, दर्शन और सामाजिक समरसता एक साथ दिखाई देते हैं। उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर मनाई जाने वाली होली इस सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रमाण है। जब ब्रज में भक्ति रंग बनकर उड़ती है, काशी में अध्यात्म गुलाल बनकर बिखरता है और अयोध्या में मर्यादा प्रेम के साथ घुलती है, तब होली केवल पर्व नहीं रहती,वह भारतीय संस्कृति की आत्मा बन जाती है।

रंगों से पहले उम्मीदों की आहट: होली की तैयारियों की गूंज बता रही है कि इस बार रंग केवल चेहरे नहीं, अर्थव्यवस्था और पर्यटन की तस्वीर भी बदल सकते हैं। इस बार होली उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक पर्यटन मॉडल का रूप ले सकती है, जहां आस्था, संस्कृति और विकास एक साथ खिल उठेगी।

पलिया डीह मार्ग के बहुरेंगे दिन, विधायक का प्रयास लाया रंग

बालामऊ विधायक रामपाल वर्मा फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ 75 लाख क़ी धनराशि को मिली स्वीकृति

कछौना (हरदोई)। क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थल पालिया डीह के लिए आवागमन के लिए कोई पक्का मार्ग नहीं था। यह काफी प्राकृतिक एवं रमणीक स्थल है। जहां पर एक तरफ तालाब व चारों ओर पेड़ पौधों के होने के कारण काफी सुकून का स्थान है। पंचम खेड़ा की तरफसे खड़ंजा मार्ग है। ज्ञानपुर व कस्बे से जाने के लिए भी कोई पक्का रास्ता नहीं है। इस स्थल पर जाने के लिए पक्के मार्ग के लिए लगातार नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला पंकज, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रानू बाजपेई सहित भाजपा के पदाधिकारी पूर्व मंडल अध्यक्ष ब्रह्मा कुमार सिंहए मंडल महामंत्री अजय बाजपेई नगर के जागरूक नागरिक उमेश सिंह आदि लगातार शासन प्रशासन से मांग कर रहे थे। यह स्थान राजस्व अभिलेखों में कछौना देहात में अंकित है। जिसका इतिहास काफी पुराना है। याचिका समिति के सभापति अशोक अग्रवाल द्वारा इस स्थल के कायाकल्प व जीर्णोद्धार के लिए शासन से एक करोड रुपए की धनराशि स्वीकृत कराके सभागार, शौचालय, विद्युतीकरण, हाई मास्क लाइट, वृक्षारोपण आदि बुनियादी सुविधाओं से खूबसूरत स्थल बनाया गया था। यहां लगातार धार्मिक आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहते हैं। इस स्थान के लिए लगभग सौ बीघा भूमि है। कोई पक्का मार्ग न होने के कारण लोगों को काफी असुविधा होती है। नगर अध्यक्ष सहित अन्य जागरूक लोग इस स्थान को जाने के लिए पक्के मार्ग की मांग के रहे थे।

विधायक रामपाल वर्मा ने इस मार्ग के निर्माण के लिए शासन में बात रखी। जिस पर लखनऊ पलिया हाईवे से ज्ञानपुर मार्ग से होते हुए पालिया डीह तक जाने के लिए लगभग एक किलोमीटर दूरी के लिए धनराशि रुपये 75 लाख की वित्तीय स्वीकृत प्राप्त हो गई! क्षेत्रीय नागरिकों को उम्मीद जगी है कि अब पलिया डीह जाने के लिए आवागमन सुगम होगा जिसके लिए स्थानीय लोगों ने विधायक के इस कदम की सराहना की।

बधाई मांगने को लेकर किन्नरों व दुकानदार में विवाद, दोनों पक्ष पहुंचे कोतवाली, पुलिस जाँच में जुटी

घटना के बाद हंगामा करते किन्नर व समझाती पुलिस फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रेलवेगंज में किन्नरों और दुकानदार के बीच त्योहारी वसूलने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामले में तूल पकड़ा दोनों ने एक दूसरे पर अभद्रता व मारपीट का आरोप लगाया!आखिरकार मामला कोतवाली पहुंच गया! पुलिस मामले की जांच में जुटी है!

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना हथौड़ा रोड पर आनंद कुशवाहा उर्फ बुद्धर नामक दुकानदार के कारखाने पर सोमवार दोपहर को घटीए जिसके बाद देखते ही देखते सड़क जाम हो गई। किन्नरों ने त्योहार क़ी बधाई के रूप में 50 रुपये मांगे थे जबकि दुकानदार बुद्धर ने 20 रुपये दिए। इससे विवाद बढ़ा और किन्नरों ने हंगामा काट दिया। चुलबुली किन्नर ने बताया कि उनके चेलों काजल, स्वीटी, रिंकी पर दुकानदार और उसके बेटे ने लाठी.डंडों से हमला किया, जिसमें हल्की चोटें आईं और दुकानदार के बेटे ने पिंकी पर चाकू व ब्लेड से भी हमला किया। दुकानदार बुद्धर मैं अपना पक्ष रखते हुए बताया कि ज्यादा पैसों की मांग पर किन्नरों ने बदतमीजी की और कारखाने पर हंगामा मचाया। सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस पहुंची और और दोनों पक्षों को समझाने में जुटी रही। मामला शांत न हुआ और दोनों पक्ष कार्रवाई की मांग को लेकर थाने आ पहुंचे! थाना अध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है और छानबीन चल रही है तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी!

होली व रमजान को लेकर एसडीएम व प्रभारी निरीक्षक ने ड्रोन संग किया पैदल गश्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। आगामी होली और रमजान के त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। रविवार को उपजिलाधिकारी सवायजपुर मयंक कुंडू और प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने पुलिस बल के साथ हरपालपुर कस्बे में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

गश्त के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए ड्रोन कैमरे की मदद ली गई, जिससे कस्बे की गलियों और मकानों की छतों की सघन निगरानी की गई। एसडीएम मयंक कुंडू ने स्थानीय नागरिकों से आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की और स्पष्ट किया कि शांति भंग करने वाले अराजक तत्वों के खिलाफकठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। इस दौरान पुलिस बल ने मुख्य बाजारों और चौराहों पर भ्रमण कर आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

दबंगो ने अधिकारी के साथ अभद्रता की, प्राथमिकी हुई दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकासखंड हरपालपुर की ग्राम पंचायत मलौथा में सरकारी कार्य में बाधा डालने और अधिकारी के साथ अभद्रता का मामला सामने आया है। ग्राम विकास अधिकारी अभिषेक पाल ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि ग्राम पंचायत के मजरा लट्ठुपुरा में शासन द्वारा निर्मित 10 मीटर सरकारी नाली को गाँव के ही वीरपाल और ऋषिपाल ने तोड़ दिया। जब ग्राम विकास अधिकारी ने नाली तोड़ने का कारण पूछाए तो आरोपियों ने उन्हें भद्दी गालियाँ दीं और जान से मारने की धमकी देते हुए दौड़ा लिया। पीड़ित अधिकारी ने किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल की जाँच की, जहाँ घटना सत्य पाई गई। प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार पंकज ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई हैं। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वर्षो बाद सिद्धनाथ बाबा को मिली विद्युत आपूर्ति की मंजूरी, एमएलसी अशोक अग्रवाल ने दी जानकारी

भरावन (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड भरावन के आदि गंगा गोमती तट किनारे लालपुर खाले गांव में स्थित सिद्धनाथ बाबा मन्दिर में विद्युत व्यवस्था को वर्षो से बदहाल रही। लालपुर खाले गांव तक विद्युत सप्लाई आती है। लेकिन मन्दिर तक सप्लाई आज तक न पहुंची। जबकि सिद्धनाथ बाबा मन्दिर क्षेत्र का प्राचीन और प्रसिद्ध मन्दिर है जहाँ प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओ का आवागमन रहता है। रात्रि में सीताराम जाप के चलते सैकड़ो श्रद्धालु रुकते है। जनपद हरदोई के एमएलसी अशोक अग्रवाल नें बताया मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निदेशक को पत्र भेज कर आग्रह किया था जिसके निर्देशन में मंजूरी मिलते हुये उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन में जनपद हरदोई के अधिशासी अभियंता बिजली विभाग के अधिकारी अजय कनौजिया नें दूरभाष पर बताया है कि 31 मार्च 2026 तक सिद्धनाथ बाबा मन्दिर पर विद्युत आपूर्ति पूर्ण की जायेगी। होली बाद कार्य शुरू हो जाएगा। सिद्धनाथ बाबा मन्दिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गोकुल कश्यप नें बताया मन्दिर प्रांगण में विद्युत् सप्लाई की आवश्यकता अत्यंत रूप से थी। एमएलसी अशोक अग्रवाल का धन्यवाद देता हूं कई वर्षो से चल रही इस समस्या का निदान दिलाया और श्रद्धालुओ को सुविधाएं होंगी।सावनो में हजारों श्रद्धालु यहाँ रुकते है और प्रतिदिन सीताराम जाप के चलते कई श्रद्धालु बाहर से भी आकर यहाँ रुकते है।

- ■ सिद्धनाथ बाबा मन्दिर में अब पहुंचेगी विद्युत सप्लाई
- ■ एम.एल.सी. के आग्रह पर विद्युत सप्लाई की मिली मंजूरी
- ■ सिद्धनाथ बाबा मन्दिर में विद्युत आपूर्ति की मिली स्वीकृति

लेनदेन को लेकर दबंगो ने पीटा

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल के ग्राम सुलखामऊ में जमीन के लेनदेन को लेकर दबंगों ने विकास और उसके माता.पिता रामबहादुर व सरला देवी को लाठी.डंडों से पीटकर घायल कर दिया। शोर मचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गांव के ही सत्यपाल सिंह समेत चार के खिलाफ प्राथमिकी कर जांच शुरू कर दी है।

पुरानी रंजिश के चलते लाठी-डण्डो से किया हमला

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल कर ग्राम रामनगर निवासी संजू राजपूत (35) पर शनिवार शाम पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही तीन सगे भाइयों योगेंद्र, देवेंद्र और सर्वेंद्र कुमार ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बचाव करने आई पीड़ित की पत्नी से भी अभद्रता की गई। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर्व प्राथमिकी दर्ज कर ली हैं।

शराब के नशे किया हमला

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मुर्चिया निवासी श्यामल शर्मा की दुकान पर अंदनिया मजरा के रामतीर्थ ने शराब के नशे में हमला कर दिया। आरोपी ने दुकानदार को लाठी.डंडों से पीटा और करीब 500 अंडे तोड़ दिए। दोबारा जान से मारने की धमकी मिलने पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पिहानी सल्लिया के गौरैया मोड़ पर ई-रिक्शा हादसा

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड पिहानी जंग बहादुरगंज रोड पर गोरिया के पास एक तेज रफ्तार ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट

गया। इस हादसे में कई सवारियों को चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसारए ई रिक्शा में कई लोग सवार थे, जो अपने गंतव्य स्थान की ओर जा रहे थे। अचानक ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गयाए जिससे सवारियों को चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। ई रिक्शा चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

रैगाई पिहनी स्वास्थ्य केंद्र पर काला फीता बांधकर डॉक्टरों का विरोध

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड रैगाई प्रादेशिक

चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य संघ के बैनर तले अधिष्ठान ट्रांसफर की मांग पूरी न होने पर डॉक्टरों ने काला फीता बांधकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया। विरोध के दौरान भी डॉक्टरों ने मरीजों का उपचार जारी रखा। संघ की ओर से जारी सूचना के मुताबिक 27 फरवरी से 5 मार्च तक मौन विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा आयुष विभाग एवं चिकित्सा स्वास्थ्य के प्रमुख सचिव को अवगत करा दिया गया है। डॉक्टर विकाश बाजपेई ने बताया है कि अधिष्ठान ट्रांसफर की मांग लंबे समय से लंबित हैए जिसे लेकर चरणबद्ध तरीके से विरोध किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों की सेवा प्रभावित नहीं होने दी जाएगी।

उप जिला अधिकारी और एडिशनल एसपी ने नगर में किया पैदल मार्च

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। एडिशनल एसपी सर्किल शाहाबादआलोक राज नारायण व उपजिलाधिकारी तहसील शाहाबाद अंकित तिवारी ने पुलिस बल के साथ मुख्य बाजारों एवं संवेदनशील इलाकों का पैदल मार्च किया साथ ही सुरक्षा का एहसास कराया। अराजक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर गड़ी हुई है एसडीएम व ए एसपी का संदेश है त्यौहार में एकता कायम रहे होली के पावन त्यौहार पर पुलिस की चप्पे चप्पे पर नजर बनी हुई है। भाईचारा बना रहे और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दिया जाए।

टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल पुलिस सोशल मीडिया और ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रख रही है ताकि नफरत फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा सके। सुरक्षित माहौल की अपील पुलिस ने जनता से कहा है कि वे शांति और सौहार्द के साथ होली मनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस को दें।

एडिशनल एसपी मार्तंड प्रकाश सीओ अजीत सिंह चौहान कोतवाल छोटे लाल ने संभाली होली और रमजान को लेकर कमान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। विकास खंड आगामी होली और ईद.उल.फित्तर के त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए पिहानी पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पर आ गई है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता या हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ अधिकारियों ने किया पैदल मार्च।क्षेत्र की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एडिशनल एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह, क्षेत्राधिकारी हरियावां अजीत चौहान और पिहानी कोतवाल छोटेलाल ने पुलिस बल के साथ कस्बे के मुख्य बाजारों और संवेदनशील इलाकों में पैदल मार्च किया। इस दौरान अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया और त्योहारों को आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। ड्रोन कैमरों से होगी चप्पे-चप्पे की निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। एडिशनल एसपी मार्तंड प्रकाश सिंह ने निर्देश दिए हैं कि भीड़भाड़ वाले इलाकों और तंग गलियों की निगरानी ड्रोन कैमरों के जरिए की जाएगी। इससे संदिग्ध गतिविधियों और छतों पर पत्थर या अन्य आपत्तिजनक सामग्री जमा करने वालों पर नज़र रखी जा सकेगी। त्योहारों के दौरान सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात पुलिस ने भी कमर कस ली है। पुलिस ने चेतावनी जारी की है कि जो भी व्यक्ति बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाते हुए पाया जाएगाए उसकी गाड़ी तत्काल सीज कर दी जाएगी। हुड़दंग मचाने वालों और तेज रफ्तार वाहन चलाने वालों के खिलाफभी कठोर दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील।कोतवाल छोटेलाल ने क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों के साथ बैठक कर स्पष्ट किया कि पुलिस प्रशासन हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी साइबर सेल की कड़ी नज़र रहेगी।

36 घंटे बाद काम पर लौटे आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। नगर पालिका परिषद में 36 घंटों से अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे सफाई कर्मचारी उच्च शिक्षा राज्य मंत्री के हस्तक्षेप के बाद काम पर वापस लौट आए हैं। रविवार को दोपहर 2:00 बजे के बाद सफाई कर्मचारियों ने नगर को साफ करने का कार्य प्रारंभ कर दिया। आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों का फरवरी माह का वेतन गुरुवार को उनके खाते में पहुंच जाने का आश्वासन दिया गया है। 36 घंटे से फरवरी माह के वेतन की मांग को लेकर हड़ताल पर गए आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने गदर काट दिया। सड़कों पर रख कूड़े दानों से निकाल कर कूड़ा सड़कों पर फेंका। नालियों को चोक कर दिया जिससे पूरा शहर गंदगी में तब्दील हो गया और चारों तरफ बदबू ही बदबू उठने लगी। दुकानदारों और क्षेत्र वासियों का जिन मुहाल हो गया। आपको बता दें रार आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को वेतन देने वाली फार्मो को ब्लैकलिस्टेड किए जाने के बाद शुरू हुई थी। अधिशासी अधिकारी ने वेतन देने वाली फर्मों को ब्लैकलिस्टेड किया। उसके बाद सफाई कर्मचारियों का वेतन रुक गया। सफाई कर्मचारी नाराज हो गए और हड़ताल पर चले गए। आठ दिन की हड़ताल के बाद डूडा से सफाई कर्मचारियों को एक माह का वेतन दिया गया। दूसरे माह का वेतन नहीं मिला जिससे नाराज होकर शुक्रवार से सफाई कर्मचारियों ने फिर हड़ताल कर दी। इससे पूर्व अधिशासी अधिकारी के के सोनकर अकाउंटेंट द्वारा आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों के वेतन बिल बनाने में की जा रही लापरवाही और हाई कोर्ट में जवाबदेह हो जाने के कारण डिप्रेशन में चले गए और कार्यालय में गिरकर बेहोश हो गए। उन्हें सीएचसी से मेडिकल कॉलेज हरदोई में भर्ती कराया गया। तब से अब तक अधिशासी अधिकारी के के सोनकर मेडिकल लीव पर हैं। इधर सफाई कर्मचारियों ने नगर में प्रदर्शन करते हुए कूड़े दानों में भरा हुआ कूड़ा निकलकर सड़क पर फेंक दिया। नालियां बंद कर दी। जिससे गंदा पानी सड़कों पर वह निकला। बदबू से दुकानदार और नागरिक परेशान हो उठे। रविवार को उच्च शिक्षा राज्य मंत्री एवं शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक रजनी तिवारी ने सफाई कर्मचारी संघ के नेता संजय वाल्मीकि से फोन पर वार्ता की और उनसे हड़ताल समाप्त कर सहयोग करने की अपील की। पालिका प्रशासन ने सफाई कर्मचारियों को गुरुवार को तक उनके खाते में भुगतान भेजने का आश्वासन दियाए उसके बाद आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी कम पर लौट आए।

मलकापुर डकैती में शामिल बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल, पचीस हजार के तीन इनामिया गिरफ्तार किए गए

राष्ट्रीय प्रस्तावना

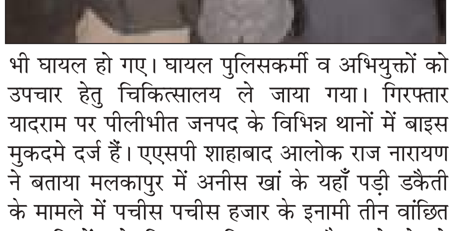

शाहाबाद (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मलकापुर मे हुई डकैती के मामले में पचीस पचीस हज़ार रूपए के तीन इनामिया बदमाशों को पुलिस ने रविवार भोर में मुठभेड़ में गोली मारकर कर गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों से हुई मुठभेड़ में दो कांस्टेबल भी घायल हुए हैं। बदमाशों के पास से पुलिस ने नगदी और तमंचे बरामद किये हैं। 10 फरवरी को सुबह करीब 3 बजे ग्राम मलकापुर में अनीस खां पुत्र नसीर खां के घर में चार पांच अज्ञात बदमाश घुस गए तथा उन्हें बंधक बनाकर घर में रखे 30 हजार रुपए की नगदी व आभूषण लूट ले गए। सूचना पर उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। अनीस खां की तहरीर पर डकैती का मुकदमा लिखा गया।

आई जी जोन और पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना के सफल एवं शीघ्र अनावरण हेतु अपर पुलिस अधीक्षक सर्किल शाहाबाद के निर्देशन में टीमों का गठन कर लगाया गया। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा उक्त घटना में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु 25-25 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया गया था। शनिवार रविवार की मध्य रात्रि में कोतवाली पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियो, वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर निर्माणाधीन बाईपास के पास बाग मे पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर मौजूद बदमाशों की घेराबंदी की गयी। बाग में मौजूद बदमाशों द्वारा खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ फायरिंग की गयी। जिसमें यादराम उर्फयादा पुत्र माखन लाल और धर्मेन्द्र गिरी पुत्र हरपाल गिरी निवासीगण नौगमा पकडिया थाना सुनगढी जनपद पीलीभीत दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गए तथा समोल मण्डल पुत्र उपेन मण्डल निवासी भरतपुर थाना न्यूरिया जनपद पीलीभीत को भी मौके से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 17,520 रुपये नगद, व तीन तमंचे 315 बोर, 5 जिंदा कारतूस एवं 5 खोखा कारतूस बरामद किये गए। मुठभेड़ में कांस्टेबल मंगेश व मनोज भी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मी व अभियुक्तों को उपचार हेतु चिकित्सालय ले जाया गया। गिरफ्तार यादराम पर पीलीभीत जनपद के विभिन्न थानों में बाइस मुकदमे दर्ज हैं। एएसपी शाहाबाद आलोक राज नारायण ने बताया मलकापुर में अनीस खां के यहाँ पड़ी डकैती के मामले में पचीस पचीस हजार के इनामी तीन वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है उनमे से दो अपराधी मुठभेड़ में पुलिस की गोली से घायल हुए हैं जिन्हे इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भिजवाया गया है। अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है। गिरफ्तार करने वाली पलिस टीम में शाहाबाद कोतवाली प्रभारी अरविन्द कुमार रायए नि0 उदय भान यादव, उ0नि0 राजेश कुमार चौधरी, मो0 अमजद, अरविन्द कुमार यादव, सोमल राम पासवान, हरदीप यादव, अतुल कुमार गुप्ता, हे0का0 लोकेश भट्ट, जंगबहादुर, रामआसरे, का0 सम्राट, नितिन तोमर, गुंजन गिल, कंचन, मंगेश, मनोज, फैसल हुसैन, उमेश कुमार, नागेन्द्र कुमार, प्रेमसिंह, फुलकुवँर, स्वाट/सर्विलांस व एस ओ जी के प्रभारी उ0नि0 राजेश कुमार, अब्दुल जब्बार और उनकी टीम शामिल रहे।

आफत से राहत

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक-साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है। भले ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है,लेकिन एक बात तो तय है कि निचली अदालत के आदेश के बाद आप को दिल्ली में खोये जनाधार को फिर से हासिल करने का मौका मिल सकेगा। वह अपनी पार्टी के मुख्य भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को फिर से चलाने के लिये नैतिक बल तो हासिल कर पायी है। दरअसल, इस फैसले से जांच में अत्यधिक दखलंदाजी को लेकर कई असहज करने वाले सवाल भी उठे हैं। खासकर अदालत की वह टिप्पणी, जिसमें कहा गया कि जांच एक पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है। यानी जांच में उचित प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया है। दूसरी ओर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कहा है कि आबकारी नीति मामले में जुड़ी उसकी मनी लॉन्ड्रिंग की स्वतंत्र जांच मजबूत आधार रखती है। कानून के पंडित कयास लगा रहे हैं कि यदि सीबीआई मामले में निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय द्वारा भी बरकरार रखा जाता है तो ईडी द्वारा अभियोजन की कानूनी वैधता पर नये सिरे से सवाल उठ सकते हैं। बहरहाल, निचली अदालत के फैसले ने केजरीवाल, सिसोदिया तथा आम आदमी पार्टी में नई ऊर्जा का संचार तो कर ही दिया है। निश्चित रूप से दिल्ली में सरकार बनाने वाली भाजपा के लिये यह स्थिति असहज करने वाली है।

अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी।

योगी के विदेशी दौरों में सनातन धर्म और विकसित भारत का जलवा

मृत्युंजय दीक्षित

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश के ऐसे प्रथम मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने भगवा वस्त्र धारण कर सिंगापुर और जापान की सफल विदेश यात्रा की और सनातन की धर्म ध्वज फहराकर एक नया कीर्तिमान स्थापित करने में सफल रहे। मुख्यमंत्री योगी सिंगापुर और जापान से प्रदेश के विकास के लिए अनेक निवेश प्रस्ताव लेकर आए हैं और कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए हैं, स्वाभाविक है इससे प्रदेश के विकास को एक नया बल मिलेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की पहली विदेश यात्रा जापान की थी और मुख्यमंत्री योगी भी अपनी विदेश यात्रा में सिंगापुर होते हुए जापान पहुंचे यानी कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी अब प्रदेश के विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के पदचिह्नों का अनुगमन कर रहे हैं। दोनों ही देशों में मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में जय श्रीराम की गूंज रही, अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर से लेकर काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के निर्माण का उल्लास सिंगापुर और जापान में भी दिखाई दिया। साथ ही मुख्यमंत्री सिंगापुर और जापान में जो बोल रहे थे उसका प्रभाव यूपी व देश की राजनीति पर भी दिखाई दे रहा था। योगी जी के वक्तव्यों पर वार पलटवार खूब हुए किंतु इन विदेश यात्राओं से यह तय हो गया कि अब यूपी का विकास थमने वाला नहीं है । पीडीए वाले हों या फिर बहुजन समाजवादी अब कोई भी यूपी में योगी जी को नहीं रोक सकता। सिंगापुर व जापान के दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60 से अधिक संवाद कार्यक्रमों में भाग लिया और राज्य में निवेश को लेकर 500 से अधिक निवेशकों के साथ संपर्क करके निवेश का आमंत्रण दिया। योगी जी की यात्रा के दौरान 1.5लाख करोड़ रुपए के निवेश को लेकर विभिन्न कंपनियों के साथ समझौते हुए और 2.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल को मिले हैं। यह निवेश धरातल पर उतरने के बाद राज्य के पांच लाख युवाओं को कौशल विकास रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री की सिंगापुर और जापान यात्रा के दौरान सिंगापुर टोक्यो और यामानाशी में तीन बड़े निवेश रोड शो भी आयोजित किए गए । इनमें करीब 500 निवेशकों और वित्तीय संसाधनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जापान में मुख्यमंत्री योगी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि हम सूर्यपुत्र हैं और हमें सूर्य जैसी रोशनी चाहिए। उन्होंने निवेशकों को बताया कि यूपी में अब कोई दंगा नहीं होता है, सब चंगा है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिनकी प्रवृत्ति डकैती की थी उन्होंने यूपी को अंधेरे में रखा। अंधेरे मे काम करने वालों को उजाला रास नहीं आता। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने प्रदेश को भय और भ्रष्टाचार से मुक्त कर उजाले की ओर अग्रसर किया है। उन्होंने बताया कि पहले जहां प्रदेश को दंगों और कर्फ्यू की खबरों से पहचाना जाता था वहीं अब दीपोत्सव, महाकुंभ और वैश्विक निवेश उसकी नई पहचान बन रहे हैं। अयोध्या में दीपोत्सव, काशी में देव दीपावली और मथुरा -वृन्दावन में रंगोत्सव सकारात्मक परिवर्तन के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 156 करोड़ से अधिक पर्यटक आए। निवेश और औद्योगिक साझेदारियों के साथ सिंगापुर और जापान का दौरा यूपी की सांस्कृतिक विरासत के प्रसार के लिए भी महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने प्रमुख नेताओं और कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों और बच्चों को यूपी के पारंपरिक शिल्प से तैयार 500 से अधिक विशिष्ट स्मृति चिह्न भेंट कर प्रदेश की कारीगरी को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई। यह पहल वोकल फॉर लोकल तथा आत्मनिर्भर भारत की सोच को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का अहम हिस्सा रही। निवेश वार्ताओं के समानांतर सांस्कृतिक प्रतीकों के माध्यम से मुख्यमंत्री ने यह संदेश देने का भी प्रयास किया कि यूपी केवल निवेश का गंतव्य नहीं अपितु समृद्ध परंपरा और शिल्प कौशल की धरती भी है। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर और जापान के बच्चों के लिए मंडला आर्ट से बनी 300 कलाकृतियां तैयार करवाई थीं। विदेशियों ने यूपी की बारीक शिल्पकला की खुले मन से प्रशंसा की। उपहारों में फिरोजाबाद के रंगीन कांच से बनी भगवान श्रीराम, शिव ,राधा -कृष्ण और बुद्ध की प्रतिमाएं विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मुरादाबाद से ब्रास की शिव व बुद्ध प्रतिमाएं, वाराणसी की गुलाबी मीनाकरी से सुसज्जित काशी विश्वनाथ मंदिर का मॉडल, बुद्ध और मोर की कलाकृतियां तथा सहारनपुर की लकड़ी से तैयार शिव और राधा कृष्ण की प्रतिमाएं भेट कीं। इन उपहारों को पाकर बच्चों और निवेशकों के चेहरे खिल उठे। बनारस की मीनाकरी ने विदेशी प्रतिनिधियों को प्रभावित किया। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर की धरती से जेवर एयरपोर्ट का जल्द संचालन प्रारंभ होने की घोषणा की और बताया कि अब प्रदेश का विकास रुकने वाला नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने विदेशी दौरे में हिंदी भाषा में संवाद स्थापित कर सभी हिंदी प्रेमियों का भी दिल जीत लिया। सिंगापुर और जापान दोनों ही देशों में मुख्यमंत्री योगी को अपने बीच देखकर भारतीय समुदाय में उत्साह छा गया और लगभग हर कार्यक्रम में ल्लयोगी -योगील्ल और जयश्रीराम के नारे लगे। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को राज्य की औद्योगिक नीतियों, इन्फ्रास्ट्रक्चर और बड़े उपभेक्ता बाजार को निवेश के अनुकूल बताया। ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, डाटा सेंटर, लाजिस्टिक, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और स्किल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में सहयोग की सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने यामानाशी में ग्रीन हाइड्रोजन के प्लांट का भी भ्रमण किया। उल्लेखनीय है कि गोरखपुर के खानीपुर गांव में प्रदेश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट आरंभ हो चुका है। एक ओर जहां प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंगापुर और जापान में उत्तर प्रदेश का झंडा गाड़ रहे थे वही दूसरी ओर प्रदेश के उपमुख्यंत्री केशव प्रसाद मौर्य जर्मनी में प्रदेश की ध्वजा लहरा रहे थे । उप मुख्यमंत्री भी प्रदेश के विकास के लिए निवेशकों को आकर्षित करने में सफल रहे। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरते ही प्रदेश में आर्थिक बदलाव का अनुभव होगा।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की पहली विदेश यात्रा जापान की थी और मुख्यमंत्री योगी भी अपनी विदेश यात्रा में सिंगापुर होते हुए जापान पहुंचे यानी कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी अब प्रदेश के विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के पदचिह्नों का अनुगमन कर रहे हैं। दोनों ही देशों में मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में जय श्रीराम की गूंज रही, अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर से लेकर काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के निर्माण का उल्लास सिंगापुर और जापान में भी दिखाई दिया। साथ ही मुख्यमंत्री सिंगापुर और जापान में जो बोल रहे थे उसका प्रभाव यूपी व देश की राजनीति पर भी दिखाई दे रहा था। योगी जी के वक्तव्यों पर वार पलटवार खूब हुए किंतु इन विदेश यात्राओं से यह तय हो गया कि अब यूपी का विकास थमने वाला नहीं है । पीडीए वाले हों या फिर बहुजन समाजवादी अब कोई भी यूपी में योगी जी को नहीं रोक सकता।

एआई शिखर सम्मेलन और कोटा के कोचिंग कारखाने

जगदीश रत्तनानी

जब देश नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन से खुश था तभी एक विश्वविद्यालय द्वारा रोबोडॉग विकसित करने के भयानक दावे ने उसे विचलित कर दिया। यह रोबोडॉग वास्तव में चीन से आयात किया गया था। इसी समय जुड़वां बच्चों ने देश का ध्यान अपनी तरफ खींचा जो प्रवेश परीक्षाओं में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए थे। वे प्रवेश परीक्षाएं जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। दोनों घटनाओं में एक में झूठ की कहानी प्रस्तुत की गई है और दूसरी में बहुत प्रयास और कष्ट के बाद मिलने वाली उपलब्धि व सफलता की कहानी है। इसमें से अधिकांश कहानियां कोटा, राजस्थान की परीक्षा कोचिंग कारखानों से आती हैं। एक को हर उस चीज के रूप में देखा जाता है जो भारत के साथ गलत हैय दूसरे, आईआईटी जैसे संस्थानों द्वारा दावा जाता है, जो भारतीय तकनीकी उत्कृ ष्टता के एक उच्च स्तर की निशानी है। उम्मीद है कि जुड़वां बच्चे अच्छा प्रदर्शन करेंगे और माता-पिता और देश को गौरवान्वित करेंगे। फिर भी दो कहानियां- एक विफलता की और दूसरी उपलब्धि की- भारत के लिए समान रूप से परेशान करने वाली हैं जहां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित, (एसटीईएम-स्टेम)- साईंस, टेक्नालॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) स्नातकों की संख्या लगातार बढ़ रही है लेकिन रचनात्मकता, नवाचार या विश्व स्तरीय समाधानों के मामले में बहुत खराब प्रदर्शन है जो देश और छात्रों द्वारा किए गए निवेश को सही ठहरा सकता है। हमने उस निजी विश्वविद्यालय की कड़ी निंदा की है जिसने एआई से संबंधित बुनियादी ढांचे में 350 करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया था। लेकिन चिंता उत्पन्न करने वाले कु छ मुद्दे भी हैं। हमारे नियामक एक विश्वविद्यालय को लगभग हर नेतृत्व की स्थिति, शैक्षणिक और प्रशासनिक के साथ प्रवर्तक परिवार के सदस्य के कब्जे वाले कार्य करने की अनुमति कैसे देते हैं? जैसा कि इस मामले में आरोप लगाया गया है। आखिरकार पेटेंट फाइलिंग एक खेल कैसे बन जाता है या कोरोना वायरस को मारने के लिए बर्तनों को पीटने पर विश्वविद्यालय के तहत एक पेपर कैसे लिखा जाता है? इस घटना ने इस बात को उजागर किया कि भारत इन संदिग्ध साख वाले निजी संस्थानों द्वारा उच्च शुल्क पर चलने वाली शिक्षा प्रणाली में किस बुरी तरह फंस गया है। निजी क्षेत्र के कुछ उदाहरणों के अलावा जिनके पास उच्च मानक हैं या सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान जो संसाधनों और शैक्षणिक स्वतंत्रता पर भारी दबाव के बावजूद रुके हुए हैं, भारत में शेष उच्च शिक्षा क्षेत्र के बारे में बहुत कुछ नहीं कहा जा सकता। यह चिंताजनक है क्योंकि छात्रों की बड़ी संख्या सार्वजनिक संस्थानों के बजाय निजी संस्थानों में पढ़ती है। ग्लैमर और समझौता करने वाली सख्ती को जोड़कर विषमता जटिल तरीकों से खेलता है जबकि सार्वजनिक शिक्षा में घटता निवेश उन लोगों से अवसरों को दूर करता है जो निजी क्षेत्र द्वारा मांगी जाने वाली फीस का भुगतान नहीं कर सकते हैं। 2021-22 के नवीनतम उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि देश में कुल विश्वविद्यालयों में सरकारी विश्वविद्यालयों की संख्या 58.6 प्रतिशत हैं जिसमें कुल नामांकन का 73.7 प्रतिशत है। निजी विश्वविद्यालय (41.4 फीसदी), स्वायत्त, डिग्री देने वाले और आम तौर पर कहीं अधिक स्तर पर फीस के साथ कुल नामांकन का हिस्सा 26.3 प्रति सैकड़ा है जो और बढ़ रहा है। लेकिन यह पूरी तस्वीर नहीं है। निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त कॉलेजों की संख्या 78.5 प्रतिशत हैय सरकारी कॉलेज कुल कॉलेजों का 21.5 फीसदी हैं। इससे यह सामने आता है कि भारत में उच्च शिक्षा में अधिकांश नामांकन किसी न किसी रूप में निजी क्षेत्र के संस्थान में हैं। उच्च शिक्षा के निजीकरण की प्रवृत्ति अच्छी तरह से पहचानी, स्पष्ट है और अक्सर अभ्यास का विषय है। इसका खतनाक पहलू यह है कि सख्त मानदंडों और अच्छे विनियमन के अभाव में शिक्षा कुछ लोगों के लिए पैसा कमाने का जरिया बन जाएगी (जैसे अस्पतालों में पहले से ही पैसा है) जबकि भारत का बड़ा हिस्सा शिक्षित नहीं रहेगा इसलिए विकास आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए देश सुसज्जित नहीं होगा। शिक्षा क्षेत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश शिक्षा के अपने व्यापक दृष्टिकोण के साथ नई शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने की तैयारी कर रहा है जो न्यायसंगत, बहु-अनुशासनात्मक, समग्र और भारतीय लोकाचार में निहित है। यह नीति श्चरित्र निर्माण और 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र और सर्वांगीण व्यक्तियों का निर्माण्य करने की बात करती है। सार्वजनिक निवेश के बिना इन लक्ष्यों तक पहुंचने की संभावना कम है। एक संतुलित दृष्टिकोण है जो शिक्षा क्षेत्र को सार्वजनिक भलाई के रूप में फलता-फूलता देखना चाहता है और सभी के लिए सुलभ है। फिर भी यह अविस्मरणीय है कि विशेष रूप से प्रसिद्ध एसटीईएम शिक्षा अपने आप में एक अंत बन गई है। कोटा और अन्य जगहों के प्रशिक्षण शिविरों और आईआईटी तैयारी स्कूलों में युवा वयस्कों के दबाव, रटने और कड़ी मेहनत में इसे देखा जाता है। पिछले हफ्ते संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) में उड़ीसा के जुड़वां भाइयों के समान अंकों के साथ उत्तीर्ण होने के बाद आयोजित समारोहों की तस्वीरें देखीं लेकिन यह भी देखा कि क्या खो गया-स्कोर प्राप्त करने के लिए बच्चों को बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़ी जिसके बारे में माना जाता है कि यह उनके जीवन को बदल देगा (और अगले सीजन में प्रवेश परीक्षा तैयारी केंद्र में अधिक पैसा लाएगा)। लेकिन विशेष रूप से इंजीनियरों को एआई के युग में पुनर्विमुख होना होगा। जैसा कि माना जाता है कि एआई सभी तकनीकी कार्य करता है जो कभी इंजीनियरों का क्षेत्र था, यह केवल एनईपी का दृष्टिकोण है जो बचाव में आ सकता है। हमें समग्र रूप से बहुमुखी प्रतिभा वाले छात्रों का निर्माण करने की आवश्यकता है जो नई दुनिया के अनुकूल हों और चमक सकें। संदर्भ, मूल्यों और सामुदायिक गियरिंग के अभाव में तकनीकी ज्ञान, स्वयं की सेवा करने और डिग्री का उपयोग करने के विचार के साथ समुद्र पार नौकरी के लिए भागना एनईपी के आदर्शों के अनुरूप नहीं है। तेजी से बदलती दुनिया में, यह तकनीकी विशेषज्ञों की भी सेवा नहीं करेगा। दार्शनिक मार्था नुसबाम इसे अच्छी तरह से समझाती हैं-श्भारत की शैक्षिक संस्कृति में प्रगतिशील आवाजें हुआ करती थीं, जैसे कि महान टैगोर, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि अगर विकसित कल्पना और परिष्कृत आलोचनात्मक संकायों द्वारा उपयोग नहीं किया जाता है तो दुनिया में सभी कौशल बेकार हैं, यहां तक कि हानिकारक भी। अब वैश्विक बाजार में लाभप्रदता की बढ़ती मांग ने इस तरह के विचारों को खामोश कर दिया है। माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे विपणन योग्य कौशल सीखें और उनका सबसे बड़ा गौरव भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान या भारतीय प्रबंधन संस्थान में बच्चे का प्रवेश है। मुझे लोकतंत्र के लिए डर है, जब इसे विनम्र इंजीनियरों द्वारा चलाया जाता है जैसा कि यह तेजी से होगा,... राजनेताओं के प्रचार की आलोचना करने में असमर्थ और दूसरे इंसान के दर्द की कल्पना करने में असमर्थ।

वे प्रवेश परीक्षाएं जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। दोनों घटनाओं में एक में झूठ की कहानी प्रस्तुत की गई है और दूसरी में बहुत प्रयास और कष्ट के बाद मिलने वाली उपलब्धि व सफलता की कहानी है। इसमें से अधिकांश कहानियां कोटा, राजस्थान की परीक्षा कोचिंग कारखानों से आती हैं। एक को हर उस चीज के रूप में देखा जाता है जो भारत के साथ गलत हैय दूसरे, आईआईटी जैसे संस्थानों द्वारा दावा जाता है, जो भारतीय तकनीकी उत्कृ ष्टता के एक उच्च स्तर की निशानी है।

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना बड़ी संजीवनी

ललित गर्ग

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या 'प्राणवायु'के समान है। यह फैसला आप को 'कट्टर ईमानदार' की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय 'राजनीतिक प्रतिशोध' के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है। विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया। अब जबकि ट्रायल कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों को अपर्याप्त पाया है, तो स्वाभाविक है कि इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ेगा। हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय, में चुनौती देने की घोषणा की है। अतः अंतिम विधिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं मानी जा सकती। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय, अर्थात ईडी ने यह कहा है कि उससे संबंधित धनशोधन प्रकरण की जांच स्वतंत्र आधारों पर चल रही है। यदि उच्च न्यायालय भी निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि समान घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न अन्वेषणों की विधिक संगति किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी। इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्वेषण एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। वे केवल अपराध की जांच ही नहीं करतीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। यदि न्यायालय यह टिप्पणी करता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है या पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत शुचिता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। न्याय का मूल सिद्धांत है कि अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसका दोष विधिसम्मत प्रमाणों के आधार पर सिद्ध न हो जाए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शासन की समग्र विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कठोर दंड आवश्यक है; किंतु यदि आरोप पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में टिक नहीं पाते, तो इससे राजनीतिक विमर्श की विश्वसनीयता पर भी आघात पहुँचता है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु आरोपों का उपयोग यदि मुख्यतः चुनावी रणनीति के रूप में किया जाता है और वे न्यायालय में प्रमाणित नहीं हो पाते, तो इससे जनता के मन में संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है। इस निर्णय के बाद स्वाभाविक रूप से आम आदमी पार्टी को नैतिक बल प्राप्त हुआ है। किंतु इस तथ्य को केवल किसी एक दल की विजय या पराजय के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इससे व्यापक स्तर पर यह संदेश भी जाता है कि न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र है और वह अभियोजन की कमजोरी को रेखांकित करने से संकोच नहीं करती। न्यायालय की कठोर टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल आरोपों की गंभीरता पर्याप्त नहीं है; उन्हें प्रमाणों की दृढ़ता से पुष्ट करना भी अनिवार्य है। दूसरी ओर, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि वास्तव में किसी नीति में अनियमितता हुई थी, तो उसके समर्थन में ठोस साक्ष्य क्यों प्रस्तुत नहीं किए जा सके। क्या अन्वेषण प्रक्रिया में तकनीकी कमियाँ रहीं? क्या साक्ष्य-संग्रह में सावधानी का अभाव था? या फिर आरोपों का प्रारूपण ही पर्याप्त स्पष्ट नहीं था? ये प्रश्न केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जांच प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं। भ्रष्टाचार-निरोध की दिशा में प्रभावी कदम तभी संभव हैं जब अन्वेषण निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत हो। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार-विरोध का नैतिक आग्रह तभी प्रभावी है जब वह स्वयं प्रमाण-आधारित हो। यदि आरोपों का आधार कमजोर होगा, तो वे न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं पाएंगे और इससे वास्तविक भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष भी कमजोर पड़ेगा। इस घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है-अन्वेषण एजेंसियों की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन। लोकतंत्र में एजेंसियों को स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु वह स्वतंत्रता विधिक मानकों और न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि प्रक्रिया की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त तैयारी के बिना आरोप प्रस्तुत करता है, तो उसका परिणाम यही होगा कि मामला प्रारंभिक चरण में ही कमजोर पड़ जाएगा। निश्चित तौर पर यह प्रकरण हमें यह स्मरण कराता है कि कानून का शासन केवल दंड देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि न्यायसंगत प्रक्रिया की गारंटी भी है। आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य पर होती है और वह भी संदेह से परे प्रमाणों के आधार पर। यदि यह मानक पूरा नहीं होता, तो किसी भी व्यक्ति को केवल सार्वजनिक धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस निर्णय का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो-क्योंकि उच्च न्यायालय में चुनौती लंबित है फिर भी यह अवसर अवश्य प्रदान करता है कि हम भ्रष्टाचार-निरोध की अपनी कार्ययोजना को अधिक सुदृढ़ और प्रमाण-आधारित बनाएं। राजनीतिक विमर्श को आरोपों की तीव्रता से आगे बढ़कर प्रमाणों की गुणवत्ता पर केंद्रित करना होगा। अन्वेषण एजेंसियों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी कार्रवाई निष्पक्षता और विधिक दृढ़ता का उदाहरण बने। लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह प्रकरण केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहेगा, बल्कि शासन-प्रणाली की परिपक्वता का प्रमाण भी बनेगा।

विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया।

शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता के विरोध में संघर्ष का ऐलान

- पीएसपीएसए के संजीव संखवार और जूनियर के कृष्ण शंकर ने कहा, लोकतंत्र में नहीं सहन होगा अन्याय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता लागू किए जाने के विरोध में अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के बैनर तले जनपद स्तर पर संघर्ष का ऐलान किया गया है। निराला उद्यान में आयोजित बैठक में महासंघ के समस्त घटक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेते हुए जनपद इकाई का गठन किया। निर्णय लिया गया कि सभी शिक्षक संगठनों के जिला अध्यक्ष संयोजक तथा जिला महामंत्री सह-संयोजक के रूप में कार्य करेंगे।

बैठक में प्रदेश इकाई के निर्देशानुसार टीईटी अनिवार्यता के विरोध में चार चरणों में आंदोलन चलाने की रणनीति तय की गई। महासंघ में शामिल प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन, अखिल भारतीय उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ, जूनियर शिक्षक संघ सहित लगभग 20 शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन को व्यापक रूप देने का संकल्प लिया। प्रथम चरण में 9 से 15 मार्च 2026 तक महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश तथा केंद्र व राज्य के नेता प्रतिपक्ष को ईमेल, पोस्टकार्ड और ट्वीट भेजकर ट्वक्ष्ठ अनिवार्यता समाप्त करने की मांग उठाई जाएगी। इसके लिए बैठक में विभिन्न संगठनों को पोस्टकार्ड वितरित किए गए। द्वितीय चरण में 13 अप्रैल 2026 को जनपद मुख्यालय पर एकत्र होकर मुख्य मार्गों से मोटरसाइकिल रैली व पैदल मार्च निकाला जाएगा तथा सायंकाल मशाल जुलूस आयोजित किया जाएगा। तृतीय चरण में 3 मई 2026 को राजधानी लखनऊ स्थित इको गार्डन पार्क में धरना-प्रदर्शन कर विधानसभा तक मार्च किया जाएगा। यदि इसके बाद भी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो चौथे चरण में मानसून सत्र के दौरान देशभर के शिक्षक संसद भवन, नई दिल्ली तक मार्च व घेराव करेंगे।

बैठक में संजीव संखवार, प्रदीप वर्मा, शुभम मिश्रा, अर्पित मिश्रा, अरुण कुमार, अमित सिंह, कृष्ण शंकर मिश्रा, संजय कनौजिया, विवेक द्विवेदी, सुरेंद्र प्रकाश सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर ट्वक्ष्ठ अनिवार्यता थोपना न्यायोचित नहीं है और इसके विरुद्ध लोकतांत्रिक ढंग से व्यापक संघर्ष किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में 88 मरीजों का उपचार

शुक्लागंज। राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य जांच और उपचार के लिए पहुंचे।

मेले का उद्देश्य आम लोगों को एक ही स्थान पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान चिकित्सकों की टीम ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया और निशुल्क दवाइयों का वितरण किया। स्वास्थ्य मेले में डॉ. राजेश चंद्रा, डॉ. रश्मि वर्मा, डॉ. अर्चना गुप्ता और विमल किशोर सिंह ने सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने मरीजों को बीमारियों से बचाव के उपाय बताते हुए नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, शिविर में कुल 88 मरीजों का पंजीकरण कर उनका उपचार किया गया। मेले में मुख्य रूप से चर्म रोग, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं, सांस संबंधी दिक्कतें, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और खून की कमी से पीड़ित मरीज पहुंचे।

होली पर शांति व्यवस्था को लेकर प्रशासन अलर्ट, संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च

- ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी, हुड़दंग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आगामी होली पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने भारी पुलिस बल के साथ शहर के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने मुख्य बाजारों, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों तथा चिन्हित संवेदनशील स्थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस बल पैदल गश्त करते हुए आमजन से शांति, सौहार्द एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील करता दिखाई दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि होली के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता, हुड़दंग या कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी, अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती तथा सोशल मीडिया पर सतर्क निगाह रखने जैसी तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया है।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि पर्व को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

कौशांबी में होली को लेकर पुलिस अलर्ट 1082 स्थान पर होगा होलिका दहन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी, जनपद कौशांबी में आगामी होली पर्व के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शरारती तत्वों पर नजर रखने के लिए सर्विलांस टीम को अलर्ट कर दिया गया है। ऐसे लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई भी की गयी है।

पुलिस अधीक्षक कौशांबी राजेश कुमार ने बताया कि जनपद में कुल 1082 स्थानों पर 3 मार्च को होलिका दहन किया जायेगा। इन सभी स्थानों को पहले ही चिन्हित कर लिया गया है। जहां-जहां होलिका दहन स्थल को लेकर विवाद की स्थिति थी वहां स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर मामले सुलझा लिए गये हैं। इसके अतिरिक्त पुराने विवादों को भी संबंधित पक्षों के साथ बैठक कर समाप्त कराया गया है। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में रैपिड एक्शन फोर्स व प्रांतीय सशस्त्र बल (पी ए सी) और स्थानीय थाना पुलिस द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। जनपद में 3 मार्च को होलिका दहन होगा, जबकि 4 और 5 मार्च को रंग खेला जाएगा। पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए सभी थानों और चौकियों पर पीस कमेटी की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। स्थानीय थाना पुलिस पैरामिलिट्री फोर्स के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में पैदल मार्च कर रही है और लोगों से सुरक्षित व सौहार्दपूर्ण होली मनाने की अपील कर रही है।

शुक्लागंज में शादी समारोह से चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

शुक्लागंज। पोनी रोड श्रीनगर निवासी मनोज गुप्ता की बेटी का विवाह 20 फरवरी को राजधानी मार्ग स्थित सोना पैलेस गेस्ट हाउस में आयोजित था। समारोह के दौरान अज्ञात चोर ने दुल्हन के बक्से का ताला तोड़कर कीमती जेवर चोरी कर लिए थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को पुलिस को सफलता मिली। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक मो. मुस्ताक और उनकी टीम ने घेराबंदी कर रेलबाजार, कानपुर नगर निवासी मो. अनीस (पुत्र मो. रफीक) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की एक सोने की नथनी, एक चांदी का सिक्का तथा सफ़ेद धातु के अन्य आभूषण बरामद किए हैं।

नगर विकास में नया अध्याय

'श्वेता मिश्रा ने किया तुलसी वाटिका' का लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। वार्ड सं. 4, आवास विकास सी ब्लॉक में आज हर्षोल्लास एवं उत्साह के वातावरण में नगर पालिका परिषद् उन्नाव द्वारा नवनिर्मित पार्क ल्लतुलसी वाटिकाङ्क का भव्य लोकार्पण संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने पार्क का उद्घाटन करते हुए इसे क्षेत्र की सम्मानित जनता को समर्पित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नगर के संतुलित एवं सतत विकास के लिए हरित क्षेत्रों का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। ल्लतुलसी वाटिकाङ्क पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो बच्चों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करेगी।

लोकार्पण के पश्चात अध्यक्षा महोदया ने पार्क परिसर में तुलसी का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित बच्चों को चॉकलेट एवं टॉफियां वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। बच्चों के चेहरे पर प्रसन्नता देखते ही बनती थी और कार्यक्रम का वातावरण और भी आनंदमय हो गया।

कार्यक्रम में उपस्थित निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजयुमो प्रवीण मिश्रा भानू ने अपने संबोधन में पार्कों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रहकर खेल के मैदानों में अधिक समय व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खुले वातावरण में खेलकूद से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है तथा उनमें अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है। उन्होंने ल्लतुलसी वाटिकाङ्क जैसे पार्कों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

अध्यक्ष महोदया ने बताया कि नगर पालिका परिषद् द्वारा शहर में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा हरित विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में इस पार्क का निर्माण कराया गया है, जिसमें आकर्षक लैंडस्केपिंग, पाथवे, बैठने की समुचित व्यवस्था, हरियाली एवं बच्चों के लिए खेल उपकरण स्थापित किए गए हैं।

दहशत का पर्याय बना गुलदार आखिरकार पिंजरे में हुआ कैद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के नहटौर थाना क्षेत्र के गांव सीकरी बुजुर्ग में चार वर्ष का एक गुलदार वन विभाग के पिंजरे में फस गया। रविवार को सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ गुलदार को देखने के लिए दिखाई दी। पिछले कई दिनों से गुलदार की मौजूदगी के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल था। गुलदार के पकड़े जाने से गांव और आसपास के क्षेत्रों में लोगों ने राहत की सांस ली है।

जनपद बिजनौर के नहटौर थाना क्षेत्र के गांव सीकरी बुजुर्ग में वन विभाग ने सीकरी बुजुर्ग के पास स्थित एक आम के बाग में पिंजरा लगाया था। विभाग को लगातार गुलदार की आवाजाही की सूचना मिल रही थी। बीती रात शिकार की तलाश में घूमते समय गुलदार पिंजरे में फंस गया। रविवार सुबह जैसे ही गुलदार के पिंजरे में कैद होने की खबर फैली, मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने वन विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की और इसे राहत भरा कदम बताया। वन डिप्टी रेंजर हरदेव सिंह ने बताया कि पकड़ा गया गुलदार पूरी तरह स्वस्थ है। उसकी उम्र लगभग चार वर्ष है। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए उसे संभागीय वन कार्यालय ले जाया जा रहा है। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार जल्द ही उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया जाएगा। वन विभाग ने कहा कि क्षेत्र में वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

होली को लेकर डीएम–पुलिस अधीक्षक ने किया पैदल गश्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। होली के त्योहार को शांति, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने रविवार को शहर में पैदल गश्त किया।

पैदल गश्त करते हुए पुलिस अधिकारी कोतवाली सदर से होकर चहारसू, ओलंदगंज, शाही पुल होते हुए सद्भावना पुल के गोपी घाट तक पहुंचे। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने आमजन, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर त्योहारों को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने की अपील की।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि जनपद में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा सोशल मीडिया पर अपुष्ट सूचनाएं साझा न करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने या अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। सोशल मीडिया सेल को भी सक्रिय कर दिया गया है, ताकि भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

अधिकारियों ने व्यापारियों एवं नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने, निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। रूट मार्च में अपर पुलिस अधीक्षक शहरी आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नंदन सिंह, सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता, उपजिलाधिकारी सदर संतवीर सहित अन्य अधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा।

संक्षिप्त समाचार

सुलतानपुर में इंटर की छात्रा का कुएं में कूदी, मौत

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में एक छात्रा ने रविवार दोपहर को कुएं में कूद कर अपनी जान दे दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने उसके शव को निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के मिश्रौली गांव में पंकज मिश्रा का परिवार रहता है। पंकज मिश्रा परिवार के पालन-पोषण के लिए मुंबई में नौकरी करते हैं। घर पर उनकी पत्नी नीतू मिश्रा और बेटी नैन्सी व दो छोटे भाई-बहन प्रियांशी और आयुष रहते हैं। नैंसी ने हाल ही में इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा दी थी। रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे पंकज की 18 वर्षीय नैंसी मिश्रा कुएं में गिरने की सूचना पुलिस को मिली। कुएं में गिरने की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कुएं में कांटा डालकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और छात्रा को बाहर निकालने के बाद तुरंत एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उप निरीक्षक अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान पैर फिसलने से यात्री नीचे गिरा, बची जान

मुरादाबाद। चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक यात्री का पैर फिसल गया। वह पायदान और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। ट्रेन मैनेजर संजय कुमार की सतर्कता से यात्री की जान बचाई गई। उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने रविवार को बताया कि पदमावत एक्सप्रेस (14207) रविवार को शाहजहांपुर स्टेशन से प्रस्थान करने पर एक यात्री ट्रेन में चढ़ने में असफल रहा और पैर फिसलने के कारण पायदान और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। ट्रेन मैनेजर संजय कुमार ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत गाड़ी को प्लेटफॉर्म पर रोका एवं स्टेशन स्टॉफ, आरपीएफ जीआरपी की मदद से उसे बाहर निकाला। उसे मामूली चोटे आई थी, जिसे इलाज के लिए चिकित्सालय भेजा गया।

साइबर सेल ने पीड़ित के खाते में लौटाए नौ हजार रुपये

मीरजापुर। हलिया थाना क्षेत्र के पवांरी कला गांव निवासी मनोज कुमार मौर्य के खाते से 'गूगल पे' के माध्यम से गलती से नौ हजार रुपये अन्य खाते में ट्रांसफर हो गए थे। परेशान मनोज ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि वापस करा दी। प्राप्त शिकायत के आधार पर साइबर सेल टीम ने मामले की जांच शुरू की और संबंधित खाते को तत्काल होल्ड कराया। तकनीकी प्रक्रिया पूरी करते हुए रविवार को नौ हजार रुपये की राशि शिकायतकर्ता के खाते में वापस करा दी गई। खाते में पैसे वापस आते ही मनोज कुमार खुशी से झूम उठे और पुलिस की तत्परता की सराहना की। उन्होंने शासन व पुलिस प्रशासन के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि समय पर कार्रवाई से उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित लौट आई। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव, साइबर सेल प्रभारी अच्छेलाल यादव, रजनीश सिंह व आरक्षी विश्वनाथ प्रताप सिंह सहित साइबर सेल टीम का सहयोग रहा।

छात्र ने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को मारी गोली, मौत

नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र में रहने वाले एक 18 वर्षीय छात्र ने अपने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार लिया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक अमित भड़ाना ने बताया कि देवकरण पुत्र परविंदर रावल उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम धूम मानिकपुर ने रविवार को अपने पिता के लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार लिया। अत्यंत गंभीर हालत मे उसे उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, वहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मौके पर फील्ड यूनिट द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक ने आत्महत्या क्यों किया है। वहीं मौके पर मौजूद लोगों का कहना है की छात्र ने आत्महत्या करने से पूर्व अपना लैपटॉप तोड़ दिया था, किताबों को इधर-उधर फेंक दिया था तथा मोबाइल को भी रिसेट कर दिया था। पुलिस सभी पहलुओं के ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

महिला ने पति व रिश्तेदारों संग मिलकर की हत्या, तीन गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले युवक की हत्या का खुलासा 20 दिन बाद पुलिस ने रविवार को किया है। पुलिस ने एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, फरार दंपति की तलाश में पुलिस की टीमें लगी है।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने पत्रकारों को बताया कि 10 फरवरी को रसड़ा कोतवाली के चिलकहर के पास नत्थोपुर-लोहटा मार्ग से सटे लोहटा में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। उसकी पहचान आजमगढ़ जिले के रहने वाले पंकज गुप्ता के रूप में हुई। मामले की जांच कर रही पुलिस ने रविवार को पंकज गुप्ता की हत्या में शामिल मनीष सिंह, विजय पाल, उसकी पत्नी अंजनी सिंह को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर मृतक का एक मोबाइल फोन, दो तेजाब की खाली बोतलें, घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बकौल एसपी के पूछताछ में जानकारी मिली कि पंकज गुप्ता के बगल के गांव सिकहुला निवासी विजय पाल सिंह की बहन रेखा सिंह से गहरे सम्बन्ध थे। रेखा की कुछ आपत्तिजनक फोटो व वीडियो पंकज के पास थी, जिसको लेकर वह आये दिन रेखा पर अनावश्यक दबाव बनाता था। रेखा ने अपने पति अरूण सोनी और भाभी अंजनी सिंह को बताया। इसी दौरान रेखा की भाभी के मायके में पांच फरवरी को एक शादी समारोह था।

इस शादी में विजय पाल सिंह, अंजनी सिंह, विजय पाल की बहन रेखा सिंह व रेखा सिंह का पति अरूण कुमार सोनी आये हुए थे। ये चारों लोग इस समस्या के सम्बन्ध में अंजनी सिंह के भाई मनीष सिंह उसके बेटे अगस्त सिंह से पंकज गुप्ता को रास्ते से हटाने की बात बताई। पांचों ने मिलकर पंकज गुप्ता को किसी बहाने सात फरवरी को बुलाकर साजिश के तहत हत्या कर दी। इसके बाद मृतक के बैग व कुछ कपड़ों को मौके पर ही जला दिये और मोबाइल को कुछ दूरी पर फेंक दिया था। एसपी ने इस उलझे हुए हत्याकांड की पेंच खोलने वाले रसड़ा कोतवाल योगेंद्र सिंह की पीठ थपथपाते हुए रेखा व उसके पति की शीघ्र गिरफ़्तारी के निर्देश दिए।

हनी ट्रैप गैंग का खुलासा, तीन महिला समेत छह आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। मुरादाबाद के थाना सिविल लाइन पुलिस ने रविवार को हनी ट्रैप गैंग का खुलासा किया। अवैध वसूली करने के आरोप में तीन महिलाओं समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों के पास से 20,500 रुपये की नकदी और चार मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। सभी आरोपित मुरादाबाद के रहने वाले हैं। पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह और सिविल लाइन सर्किल के क्षेत्राधिकारी कुलदीप गुप्ता ने रविवार को बताया कि थाना सिविल लाइन पुलिस ने इंस्पेक्टर मनीष सक्सेना के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा भोले भाले लोगों को फोन कॉल और चैटिंग के माध्यम से अपने जाल में फंसाकर गिरोह में शामिल महिलाओं के साथ आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बनाकर वायरल करने और दुष्कर्म का झूठा मुकदमा लिखवाने की धमकी देकर अवैध वसूली करने वाले गिरोह को पकड़ा। एसपी सिटी ने बताया कि थाना सिविल लाइन क्षेत्र के चक्कर की मिलक निवासी सीबा उर्फ सानिया पत्नी शादाब, निशा उर्फ ईशा पत्नी जावेद, मुस्कान पुत्री मुराद, जावेद पुत्र नासिर, वसीम पुत्र मोहम्मद राशिद, और थाना बिलारी कोतवाली क्षेत्र के तेवर खास निवासी अमन उर्फ अमान पुत्र मुजाहिद को गिरफ्तार किया। बताया कि थाना क्षेत्र निवासी विकास मेहरा ने थाना पुलिस में दी शिकायत में बताया था कि शिव उर्फ सानिया ने व्हाट्सएप तथा फोन करके उसे अपनी बातों में फंसा लिया और एक किराए के मकान में ले गई जहां पहले से मौजूद उसके साथी लोगों ने उसकी आपत्तिजनक फोटो खींच ली और वीडियो बना ली। इसके बाद वीडियो और फोटो दिखाकर उस पर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा लिखवाने की धमकी दी। इसके बाद आरोपितों ने उससे 300000 रुपये की मांग की जिसमें से 50,000 रुपये उसने नकद दे दिए और बाकी रकम यूपीआई के माध्यम से 99000 रुपये ट्रांसफर कर दी शेष रकम देने के लिए कुछ दिनों का समय ले लिया।

लापता कालीचरण के परिजनों ने ग्रामीणों संग पूर्व सांसद के आवास का किया घेराव

- पुलिस पर लापरवाही का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैगलगंज खीरी। मैगलगंज थाना क्षेत्र से 17 दिन से लापता युवक कालीचरण के परिजनों ने सैकड़ों ग्रामीणों के साथ पूर्व राज्यसभा सांसद जुगुल किशोर के आवास का घेराव कर न्याय की मांग की। परिजनों ने मामले में पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के जहाननगर निवासी कालीचरण 12 फरवरी से लापता है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस मामले में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखा रही है। इसी नाराजगी के

चलते महिलाओं व पुरुषों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण पूर्व सांसद के आवास पहुंचे और हस्तक्षेप की मांग की।

पूर्व सांसद जुगुल किशोर ने परिजनों को निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया तथा संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर उचित कदम उठाने की बात कही। परिजनों ने उनसे प्रदेश के मुख्यमंत्री से

मुलाकात कराने की भी गुहार लगाई, ताकि वे सीधे अपनी बात रख सकें। परिजनों ने गांव के ही एक परिवार पर संलिप्तता का संदेह जताया है। हालांकि इस संबंध में पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इससे पूर्व परिजन सैकड़ों लोगों के साथ कोतवाली मैगलगंज का भी घेराव कर चुके हैं। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक इंद्रजीत सिंह ने बताया कि कालीचरण की तलाश के लिए दो बार डॉग स्क्वाड टीम की मदद ली गई है। जिन स्थानों पर उसका अधिक आना-जाना था, वहां सघन तलाशी अभियान चलाया गया है। उपलब्ध सभी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है और जल्द ही युवक को सकुशल बरामद करने का प्रयास जारी है। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जांच निष्पक्ष ढंग से की जाएगी।

तहसील गोला क्षेत्र में आबकारी व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, सैकड़ों लीटर लहन नष्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत तहसील गोला क्षेत्र में आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध कच्ची शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के निर्देश तथा आबकारी विभाग उत्तर प्रदेश के अभियान के अंतर्गत जिला आबकारी अधिकारी खीरी राजवीर सिंह के नेतृत्व में सुआबोझ कॉलोनी थाना मैलानी एवं अन्य संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान आबकारी निरीक्षक अविनाश रावत एवं पुलिस उपनिरीक्षक हिमांशु के निर्देशन में टीम ने लगभग 40 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। साथ ही करीब 500 किलोग्राम लहन (शराब बनाने का कच्चा पदार्थ) नष्ट करते हुए मौके पर चल रही भट्टियों को भी ध्वस्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि होली पर्व को देखते हुए अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर

अंकुश लगाने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। गोला सर्किल क्षेत्र के जिन गांवों में अवैध कच्ची शराब बनाए जाने की सूचना मिल रही है, वहां आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें सतत निगरानी और कार्रवाई कर रही हैं। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि अवैध शराब से संबंधित किसी भी सूचना को तत्काल विभाग को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

होलिका दहन स्थलों का निरीक्षण कर पालिकाध्यक्ष ने डलवाई लकड़ियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। होली पर्व को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद गोला गोकर्णनाथ के अध्यक्ष विजय शुक्ला ने नगर के विभिन्न होलिका दहन स्थलों का पालिका कर्मचारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी होलिका दहन स्थलों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं सुरक्षा के समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। साथ ही उन्होंने गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी समय से लकड़ियों की पर्याप्त व्यवस्था कराने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि होली आपसी भाईचारे और सौहार्द का पर्व है, जिसे सभी नागरिक शांति और सद्भाव के साथ मनाएं। नगर पालिका की ओर से पर्व के मद्देनजर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है तथा प्रमुख स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। इस अवसर पर सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संदीप वर्मा, रविन्द्र कटियार, सफाई नायक संजय कुमार, दिलीप कुमार, राहुल बाल्मीकि, नरेश कुमार सहित अन्य पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना मैलानी पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मैलानी खीरी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में डा. ख्याति गर्ग, पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी गोला के मार्गदर्शन में थाना मैलानी पुलिस को सफलता प्राप्त हुई है। प्रभारी निरीक्षक मैलानी के नेतृत्व में दिनांक 01.03.2026 को थाना मैलानी पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 26/2026 धारा 108 बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम विनोद कुमार गुप्ता पुत्र स्व. राम प्रसाद गुप्ता निवासी नई बस्ती शिवनगर, थाना भीरा,के है पुलिस द्वारा अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 योगेन्द्र सिंह, का0 राजीव सागर, का0 आदर्श चौरसिया, थाना मैलानी, शामिल रहे।

मिट्टी भरे वाहनों से सड़कों पर धूल ही धूल, राहगीरों का निकलना हुआ दूभर

- मानकों को दरकिनार कर रात-दिन हो रहा अवैध मिट्टी खनन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील सदर और तहसील गोला क्षेत्र के सीमावर्ती गांवों में इन दिनों मिट्टी खनन का कारोबार तेज़ी पर है। क्षेत्र के शेरपुर, सेमरई, बेहड़ा, कोरवा और राजेपुर गांवों की सड़कों पर दिन-रात ओवरलोड मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रालियां और डंपर दौड़ते नजर आ रहे हैं। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से कच्ची और पक्की दोनों प्रकार की सड़कें महीन धूल से पट गई हैं। सड़क पर पैदल, साइकिल या मोटरसाइकिल से निकलते ही धूल का गुबार उड़ने लगता है। रमजान और होली जैसे

त्योहारों के बीच ग्रामीणों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि नए कपड़े तक धूल में सराबोर हो जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि धूल के कारण आंखों में जलन, सूखी खांसी और सांस लेने में दिक्कत जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। बांसगांव के दर्जनों ग्रामीणों ने खनन में लगे वाहनों के आवागमन का विरोध भी किया है। आरोप है कि कई ट्रैक्टर-ट्रालियों का परिवहन विभाग में पंजीकरण कृषि कार्य के लिए है, लेकिन उनका उपयोग व्यावसायिक रूप से मिट्टी ढुलाई में किया जा रहा है।

सड़क पर जमी धूल के कारण दोपहिया वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इस संबंध में तहसीलदार सदर ने बताया कि मामले की जानकारी खनन विभाग एवं प्रवर्तन विभाग को दी जा रही है और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। वहीं सुनील मलिक, थानाध्यक्ष हैदराबाद खीरी ने कहा कि मिट्टी खनन के लिए संबंधित विभाग जिम्मेदार है। यदि ओवरलोडिंग या अवैध खनन की पुष्टि होती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कार से सात पेटी अवैध शराब बरामद, एक आरोपित गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देश पर अपराध एवं शराब तस्करी की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान ‌ऑपरेशन प्रहार‌ के तहत थाना खामपार पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी अंशुमन श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान थाना खामपार की पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर ग्राम छपिया मोड़ से आगे निर्माणाधीन ओवरब्रिज के पास एक चार पहिया वाहन को रोक कर चेकिंग की गई। वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट बीआर 01 एफबी 4026 लगी थी। तलाशी के दौरान कार में छिपा कर रखी गई 7 पेटी में 336 पाउच अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। सीओ ने बताया कि शराब तस्करी के मामले में अविन्दा कुमार यादव पुत्र अमल चौधरी, निवासी जिगना जगरनाथ टोला राजघाट, थाना मीरगंज, जिला गोपालगंज (बिहार) को गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

कुर्यानी के सरकारी विद्यालय में बच्चों को होली उपहार वितरण

मैलानी खीरी। होली के पावन अवसर पर ग्राम कुर्यानी स्थित राजकीय विद्यालय में बच्चों के बीच उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। समाजसेवी उत्सव गुप्ता द्वारा विद्यालय पहुंचकर सभी छात्र-छात्राओं को पिचकारी, रंग एवं गुलाल वितरित किए गए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय परिसर उत्सव स्थल में तब्दील हो गया। खुले मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया गया। विद्यालय के शिक्षकों ने इस सराहनीय पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यों से बच्चों में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा त्योहारों के प्रति उनका जुड़ाव और भी मजबूत होता है।

होलिका दहन 2 मार्च को, 3 मार्च को चंद्र ग्रहण, 4 मार्च को मनाया जाएगा रंगोत्सव

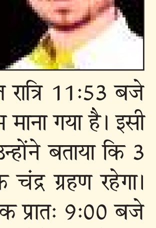

लखीमपुर खीरी। फाल्गुन पूर्णिमा पर मनाया जाने वाला होलिका दहन इस वर्ष विशेष संयोग लेकर आ रहा है। ज्योतिषाचार्य पं. कमल किशोर मिश्र ने बताया कि धर्म शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन 2 मार्च, सोमवार की रात्रि में किया जाएगा, जबकि 3 मार्च को वर्ष 2026 का पहला चंद्र ग्रहण पड़ेगा। रंगों का पर्व शास्त्र सम्मत रूप से 4 मार्च, बुधवार को मनाया जाएगा। पं. मिश्र के अनुसार काशी का महावीर पंचांग के आधार पर 2 मार्च को भद्रा पुच्छ काल रात्रि 11:53 बजे से 12:50 बजे तक रहेगा, जो होलिका दहन के लिए शुभ माना गया है। इसी अवधि में विधि-विधान से होलिका दहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 3 मार्च, मंगलवार को सायं 6:00 बजे से 6:48 बजे तक चंद्र ग्रहण रहेगा। ग्रहण की कुल अवधि 48 मिनट की होगी। ग्रहण का सूतक प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभ हो जाएगा। सूतक काल में मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे तथा केवल भजन-कीर्तन किए जाएंगे। रंगोत्सव के संबंध में पं. मिश्र ने बताया कि भविष्य पुराण में चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा को बसंत उत्सव मनाने का उल्लेख है। इस वर्ष प्रतिपदा की उदयातिथि 4 मार्च, बुधवार को पड़ रही है, इसलिए शास्त्र सम्मत रूप से रंग खेलने का पर्व इसी दिन मनाया जाएगा। इस प्रकार इस बार होली पर्व के साथ चंद्र ग्रहण का विशेष संयोग बन रहा है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह के साथ धार्मिक जिज्ञासा भी बनी हुई है।

ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले से मुरादाबाद निर्यातक चिंतित

मुरादाबाद। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले के बाद मुरादाबाद के हस्तशिल्प उत्पाद के करीब 2500 निर्यातक चिंतित हैं। भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के चेयरमैन का मानना है किइस हमले से निर्यातकों को करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ेगा। अमेरिका व इजराइल और ईरान के युद्ध की वजह से फ्रैंकफुर्त मेले व दिल्ली फ़ेयर में मिले आर्डर अब होल्ड कर दिए जाएंगे। भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के चेयरमैन मुरादाबाद निवासी डॉ नीरज विनोद खन्ना ने बताया कि जिले से हर साल आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक के हस्तशिल्प उत्पाद का निर्यात होता है। इसमें सबसे ज्यादा निर्यात अमेरिका, जापान समेत मिडिल ईस्ट देशों में होता है। उन्होंने कहा कि अगर युद्ध चलता रहा तो हस्तशिल्प उत्पाद का कारोबार प्रभावित होगा और निर्यातकों के आर्डर रुक जाएंगे। इसके साथ ही जिन आर्डरों पर खरीदारों से बातचीत चल रही है वह भी बंद हो जाएगी। इसकी वजह से आगामी आर्डर नहीं मिलेंगे। जिले के सैकड़ों निर्यातकों का 75 प्रतिशत हस्तशिल्प उत्पाद का कारोबार प्रभावित होने की संभावना रहेगी।

शांती देवी सरस्वती ज्ञानोदय विद्यालय में वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सिंगाही खीरी। ग्रामीण अंचल में शिक्षा और संस्कार की अलख जगा रहे शांती देवी सरस्वती ज्ञानोदय विद्यालय में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधान संघ अध्यक्ष श्याम मोहन दीक्षित द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। दीप प्रज्वलन होते ही पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्याम मोहन दीक्षित ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इतनी अद्भुत प्रतिभा देखने की उन्होंने कभी परिकल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा कि विद्यालय के छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभा रखते हैं। यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर मिले तो वे प्रदेश ही नहीं, देश का नाम भी रोशन कर सकते हैं। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने विद्यार्थियों में नया उत्साह भर दिया।

अन्य अतिथियों ने भी बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें

शिक्षा का मूलमंत्र दिया तथा जीवन में अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों ने गणेश वंदना और सरस्वती वंदना से शुरुआत की। इसके बाद स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, कविता पाठ, नाट्य मंचन, फैशन शो सहित अनेक रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की भाव-भंगिमा, मंच संचालन कौशल और आत्मविश्वास ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती।

कार्यक्रम के उपरांत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें पूर्व सत्र के टॉपर विद्यार्थियों एवं वार्षिकोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। अतिथियों के करकमलों से सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे गर्व और खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम का सफल संचालन एडवोकेट रजनीश जायसवाल एवं अध्यापक शक्तिभान ने किया। आगंतुकों के स्वागत में शिक्षिका लक्ष्मी गुप्ता, सविता गुप्ता, नैंसी मौर्या, दीपिका जाय., विद्यालय प्रधानाचार्य नवीन गुप्ता, शिक्षक पुनीत विश्वकर्मा, नन्दलाल गुप्ता एवं अरुण यादव ने अंगवस्त्र व उपहार भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी में सौम्या गुप्ता, अंशु वर्मा, निशा गुप्ता, शिवानी मिश्रा एवं अनुराग जाय. की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में आसपास के विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्यगण, क्षेत्र के सम्मानित प्रधानगण तथा बड़ी संख्या में अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। विद्यालय के प्रबंधक राजकुमार गुप्ता सहित समस्त विद्यालय परिवार के सहयोग से यह वार्षिकोत्सव पूर्णतः सफल और यादगार बन गया। ग्रामीण परिवेश में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि यदि संकल्प मजबूत हो तो संसाधनों की कमी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती। कार्यक्रम में मुनीश प्रसाद शुक्ला, यशोदा नन्द मिश्र, निर्दोष शुक्ला, जंगबहादुर यादव, डॉ. पंकज गुप्ता, पपिन्दर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

घर के बाहर खेल रही दो वर्षीय मासूम की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिलहरी में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में दो वर्षीय मासूम बच्ची की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम निवासी दीनदयाल की दो वर्षीय पुत्री अवनी दोपहर लगभग तीन बजे घर के बाहर खेल रही थी। खेलते-खेलते वह सड़क की ओर चली गई। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही अनहोनी हो चुकी थी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर सिकंदराबाद चौकी प्रभारी बृजेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आक्रोशित परिजनों ने चालक की शीघ्र गिरफ्तारी

की मांग की। स्थिति को देखते हुए थानाध्यक्ष प्रवीर कुमार गौतम भी पुलिस बल के साथ पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार चालक की पहचान गांव के ही सरनाम वर्मा पुत्र उमेंद्र वर्मा के रूप में बताई जा रही है। उसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दो छात्रों को इंस्पायर मानक अवार्ड 2026 में चयनित

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में सनबीम स्कूल के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित इंस्पायर मानक अवार्ड 2025-26 के लिए विद्यालय के 12वीं के छात्र आयुष सिंह व 11वीं के छात्र दीपक कुमार का चयन होने से हर्ष है। दोनों छात्रों को उनके नवाचार आधारित प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से 10 हजार की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। अब ये छात्र बलिया का प्रतिनिधित्व करते हुए मंडल एवं राज्य स्तर पर अपनी परियोजना का प्रदर्शन करेंगे। इससे पूर्व भी विद्यालय के अनुपम मिश्र, अक्ष मिश्रा, गुनगुन वर्मा, अथर्व मिश्रा, सृष्टि गुप्ता ने यह अवार्ड प्राप्त कर विद्यालय के नाम को गौरवान्वित किया था। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है।

त्योहारों की भीड़ से निपटने के लिए उत्तर रेलवे ने किये इंतेज़ाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली उत्तर रेलवे, रेल यात्रियों की सुविधा के लिए अपने परिवार के साथ होली त्यौहार मनाने के लिए अपने मूल स्थानों पर जाने वाले यात्रियों के लिए त्योहार विशेष ट्रेनें चलाकर यात्रियों के साथ त्यौहार की खुशियाँ साझा कर रहा है। इस त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए विशेष ट्रेनें चल रही हैं। होली के त्योहार के दौरान आसान और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, दिल्ली (DLI)/नई दिल्ली (NDLS)/आनंद विहार टर्मिनल (ANVT) जैसे रेलवे स्टेशनों से देश भर के प्रमुख स्थानों को जोड़ने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। जमीनी स्थिति के आधार पर स्टेशन निदेशकों या एस.एस. की सलाह पर अघोषित विशेष ट्रेनें चलाई जाएगी।

होली के त्योहार के दौरान यात्रा करने वाले यात्रीः पिछले साल होली 14.3.25 को थी, जबकि इस साल होली 04.03.26 को है। मुख्य स्टेशनों के इस साल के डेटा (28.2,2026) में बताया गया हैः-, मुख्य 4 स्टेशनों से बाहर जाने वाले UTS यात्री पिछले साल के मुकाबले 19.01% 2. PRS से बाहर जाने वाले यात्री पिछले साल के मुकाबले 12.17% 3. कुल बाहर जाने वाले यात्री पिछले साल के मुकाबले 14.95%, भीड़ प्रबंधन- अनारक्षित कोचों में यात्रियों के व्यवस्थित प्रवेश के लिए रेलवे सुरक्षा कर्मचारियों की देखरेख में स्टेशनों पर कोच में एंट्री के लिए कतार बनाकर भीड़ को नियंत्रित करने के उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

महत्वपूर्ण स्टेशनों पर 'May I Help You'' बूथ चालू रखे गए हैं जहां यात्रियों की उचित सहायता और मार्गदर्शन के लिए रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों को तैनात किया गया है। अंतिम समय में प्लेटफार्म में कोई बदलाव न हो इसके लिए सभी प्रयास किये जा रहे हैं। नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल और हजरत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर स्थापित किए जाने वाले मिनी कंट्रोल में सभी विभागों के नामांकित कर्मचारियों द्वारा संचालित किया जाएगा। नई दिल्ली और आनंद विहार टर्मिनल में ''यात्री होल्डिंग एरिया'' (पंडाल) का निर्माण जिससे प्रस्थान पूर्व प्रतीक्षा अवधि के दौरान भीड़ को सर्कुलेटिंग एरिया में रखने के लिए ताकि प्लेटफार्मों पर भीड़ को कम किया जा सके।

कवर्ड टेंट, प्रकाश व्यवस्था, पंखे, पानी के बूथ, पास में पोर्टेबल टॉयलेट ब्लॉक, डी.टी.एच. के साथ टी.वी. स्क्रीन, फूड स्टॉल ,अलग सार्वजनिक (मानवयुक्त) संबोधन प्रणाली, , मोबाइल चार्जिंग पॉइंटः मल्टीचार्जर इकाइयाँ आदि ।पंडाल में स्थानीय घोषणा के लिए पंडाल में ऑटो अनाउंसमेंट आदि। नई दिल्ली, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली मेन और आनंद विहार टर्मिनल में भीड़भाड़ के दौरान पार्सल बुकिंग और पार्सल आवाजाही बंद रहेगी। प्लेटफार्मों पर यात्रियों की आवाजाही में बाधा से बचने के लिए खानपान और वेंडिंग स्टालों का उचित स्थान/स्थानांतरण, वेंडिंग स्टॉल और ट्रॉलियां केवल अधिकृत स्थान पर ही रहेंगीं।

स्टेशनों पर भोजन एवं नाश्ते की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। स्टेशनों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था, जिसमें अतिरिक्त आर.पी.एफ./ आर.पी.एस. एफ. कर्मी, डॉग स्क्वाड की तैनाती, सभी प्रवेश द्वारों पर बैगेज स्कैनर/ मेटल डिटेक्टर, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर, सभी प्रवेश द्वारों पर मैनिंग, मेगा माइक, प्लेटफार्म और एफ.ओ.बी. पर मनीला या नायलॉन रस्सियां उपलब्ध होंगी।

नई दिल्ली और आनंद विहार के मिनी कंट्रोल रूम में एक-एक डॉक्टर तैनात किया गया है। नॉर्दर्न रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल, डिविजनल हॉस्पिटल और रेलवे स्टेशनों के पास रेलवे डिस्पेंसरी को रेलवे स्टेशनों पर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है. दिल्ली क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों पर चौबीसों घंटे एम्बुलेंस तैनात हैं। स्टेशनों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था जिसमें नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, पुरानी दिल्ली और हज़रत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त आर.पी.एफ./ आर.पी.एस.एफ. कर्मी, डॉग स्क्वाड की तैनाती, सभी प्रवेश द्वारों पर बैगेज स्कैनर/मेटल डिटेक्टर, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर, सभी प्रवेश द्वारों पर मैनिंग, मेगा शामिल हैं। एफ.ओ.बी. और प्लेटफार्मों पर माइक और मनीला या नायलॉन की रस्सियाँ। आनंद विहार टर्मिनल, नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली में अतिरिक्त सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए गए हैं। बेहतर संचार के लिए कर्मचारियों को अतिरिक्त वॉकी-टॉकी, लाउडहेलर, वी.एच.एफ. सेट दिए ।

दुबई एयरपोर्ट के पास धमाका, पीवी सिंधु को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को दुबई एयरपोर्ट के पास हुए धमाके के बाद सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। वह अपनी टीम के साथ एयरपोर्ट पर फंसी हुई थीं, जहां अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण उड़ान संचालन अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया था। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने के लिए रवाना हुई थीं, लेकिन हालात बिगड़ने के कारण उन्हें दुबई में रुकना पड़ा। एयरस्पेस बंद होने से कई उड़ानें प्रभावित हुईं और यात्री एयरपोर्ट पर ही इंतजार करने को मजबूर हो गए। सिंधु ने सोशल मीडिया पर बताया, स्थिति हर घंटे और भयावह होती जा रही है। कुछ घंटे पहले एयरपोर्ट पर जहां हम ठहरे हुए थे, उसके पास जोरदार धमाका हुआ। मेरे कोच को धुएं और मलबे के सबसे करीब होने के कारण तुरंत वहां से भागना पड़ा। वह हम सभी के लिए बेहद तनावपूर्ण और डरावना पल था। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल सभी सुरक्षित हैं और दुबई एयरपोर्ट स्टाफ व स्थानीय प्रशासन की मदद से उन्हें अधिक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। सिंधु ने दुबई में स्थित भारतीय उच्चायोग का भी विशेष रूप से आभार जताया, जिसने लगातार संपर्क में रहकर सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि अब वे हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं।

हम सुरक्षित हैं लेकिन थोड़ी चिंता है, सिंधु के कोच इरवांस्याह ने कहा

नयी दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को ट्रेनिंग देने वाले इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा उस समय बाल-बाल बच गए जब ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के लिए बर्मिंघम जाते हुए दुबई हवाई अड्डे पर उनके करीब धमाका हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण उड़ाने रद्द होने के बाद सिंधु और इरवांस्याह दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए हैं। टूर्नामेंट मंगलवार से शुरू होना है। ईरान के मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी देशों के कुछ हिस्सों में धमाकों की खबरें आई हैं जिसमें संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबु धाबी और दुबई भी शामिल हैं। इसके बाद दुबई हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। इरवांस्याह ने पीटीआई को बताया, ''इस समय दुबई में उड़ानें रद्द हो रही हैं। हवाई अड्डे पर धमाका हुआ है इसलिए हम इस समय यहीं फंसे हुए हैं।

श्रीलंका के टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद जयसूर्या टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ेंगे

एजेंसी

कोलंबो। सनथ जयसूर्या ने टी20 विश्व कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ने का फैसला किया है। सह मेजबान श्रीलंका सुपर आठ चरण में अपने सभी मैच हार गया। ग्रुप चरण में टीम को जिम्बाब्वे से हार मिली जबकि उसने ऑस्ट्रेलिया तथा कमजोर माने जाने वाले ओमान और आयरलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की। शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका की हार के बाद जयसूर्या ने संवाददाताओं से कहा, ''मेरा अनुबंध जून में खत्म हो रहा है लेकिन मैं उससे पहले चला जाऊंगा। पद छोड़ने के अपने फैसले को लेकर मैं श्रीलंका क्रिकेट से बात करूंगा। एकदिवसीय विश्व कप 1996 में श्रीलंका की खिताबी जीत के दौरान टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे जयसूर्या ने कहा, ''हमें बेहतर करना चाहिए था, मुझे दुख है और मैं प्रशंसकों से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना और कुसाल मेंडिस की चोटों से श्रीलंका को काफी नुकसान हुआ। जयसूर्या ने खराब प्रदर्शन के लिए गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, ''उनके विकल्प के रूप में चुने गए खिलाड़ी जरूरी स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सके। हसरंगा मेरे सबसे अच्छे खिलाड़ी थे, आप आसानी से उनका विकल्प नहीं ढूंढ सकते। जयसूर्या ने कहा कि उनके कार्यकाल के डेढ़ साल में श्रीलंका ने सभी प्रारूप में अपनी रैंकिंग में सुधार किया।

संक्षिप्त समाचार

हमने दबाव में सही फैसले नहीं लिए: सलमान अली आगा

पाल्लेकल (श्रीलंका)। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा का कहना है कि उन्होंने टी20 विश्व कप में दबाव में सही फैसले नहीं लिए और वे अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। पाकिस्तान ने अपने आखिरी सुपर आठ चरण के मैच में सह मेजबान और पहले ही बाहर हो चुकी श्रीलंका को पांच रन के मामूली अंतर से हराया। लेकिन यह जीत उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए काफी नहीं थी। आगा ने शनिवार रात को मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''अगर आप पूरा टूर्नामेंट देखें तो हमने उम्मीद से कम प्रदर्शन किया है। 20 ओवर के मैच में हमने 18 ओवर बहुत अच्छे से खेले और दूसरी टीम को दो ओवर अच्छे से खेलने दिए गए। लेकिन आखिरी तीन ओवर में रणनीति पर अच्छी तरह अमल नहीं किया। उन्होंने कहा, ''हमने पहले इससे भी बेहतर गेंदबाजी की है। हमारी गेंदबाजी इकाई काफी बेहतर है। लेकिन हम ठीक से कार्यान्वयन करने में चूक गए। पाकिस्तानी के कप्तान ने खराब प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, ''हम इसकी पूरी जिम्मेदारी लेंगे। क्यों नहीं? क्योंकि हम टीम चुनने में शामिल थे और खिलाड़ियों के लिए हम जिम्मेदार थे। मैं जिम्मेदारी लूंगा और मुझे यकीन है कि कोच भी लेंगे। उन्होंने कहा कि दबाव की स्थितियों में फैसले लेना पाकिस्तान के लिए एक बड़ी समस्या थी जिसे आईसीसी टूर्नामेंट में बेहतर नतीजों के लिए सुलझाना होगा। आगा ने कहा, ''और यही बात मैंने उनसे कही, जब हम दबाव में हों तो हमें बेहतर फैसले लेने होंगे। क्योंकि असल में आप दबाव में गलतियां करते हैं। और आईसीसी टूर्नामेंट में, दबाव ज्यादा होता है क्योंकि आप दुनिया की सबसे अच्छी टीमों के खिलाफ खेल रहे होते हैं। उन्होंने कहा, ''हर मैच जरूरी होता है क्योंकि अगर आप एक मैच हार जाते हैं तो ऐसा लगता है कि आप टूर्नामेंट से बाहर हो जाते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि जब आप दबाव में होते हैं तो आपको अच्छे फैसले लेने होते हैं। आगा को लगता है कि पाकिस्तान के लिए समय की जरूरत है कि वे दबाव की स्थितियों में अपने खेल में सुधार करें। उन्होंने कहा, ''हम पिछले चार आईसीसी टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक नहीं पहुंचे। इसलिए हमें दबाव में अपना खेल बेहतर करना होगा। और जब दबाव बढ़ता है तो अपने फैसले लेने के तरीके को कैसे बेहतर बनाया जाए। मुझे लगता है कि अभी यह ज्यादा मायने रखता है। आगा ने कहा, ''क्योंकि जब भी दबाव होता है, मुझे लगता है कि हमारी फैसले लेने की क्षमता उतनी अच्छी नहीं होती जितनी होनी चाहिए। जब आप विश्व कप या आईसीसी टूर्नामेंट में आते हैं तो हमेशा दबाव होता है। अगर उस दबाव में आपकी फैसले लेने की क्षमता अच्छी नहीं है, तो नतीजा ऐसा होगा।

कोल इंडिया की इकाई की पहल छत्तीसगढ़ की महिलाओं को बना रही है आत्मनिर्भर

बिश्रामपुर (छत्तीसगढ़)। पूजा साहू (30) आज इस बात को लेकर बहुत ज्यादा खुश हैं कि वह अपने पति के नाम से नहीं जानी जातीं। पूजा को लोग अब 'बोटिंग वाली दीदी' के नाम से जानते हैं। यह नई पहचान उन्हें मजबूती और पैसे की आजादी का एहसास कराती है, जबकि कुछ साल पहले ऐसा नहीं था। साहू छत्तीसगढ़ राज्य के एक 'इको-टूरिज्म' पार्क में मोटर बोट चलाकर अपना गुजारा करती हैं, जिसे कोल इंडिया की इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने खनन के बाद एक छोड़ी हुई कोयला खदान से एक 'एडवेंचर हब' में बदल दिया है। पार्क में 1,472 हेक्टेयर की जगह है जिसमें एक बड़ी पानी की जगह, एक तैरता हुआ रेस्तरां, बोटिंग और स्थानीय सहकारी समितियों द्वारा चलाई जाने वाली मछली पालन की जगह है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है। इस पार्क को एसईसीएल ने कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में देश के खान को बंद करने की वैज्ञानिक रूपरेखा के तहत विकसित किया है। खान बंद करने की मंजूर योजना के मुताबिक, दोबारा इस्तेमाल किए गए खनन क्षेत्र को प्रणालीगत तरीके से टिकाऊ सामुदायिक संपत्ति में बदला जा रहा है। केनापारा इको-टूरिज्म पार्क खनन के बाद इसे जीवनयापन केंद्र में बदलने का एक ऐसा ही उदाहरण है, जो केंद्र के ज़िम्मेदार और टिकाऊ खनन पर केंद्रित है। एसईसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने कहा, ''हमारा यह पार्क दिखाता है कि कैसे वैज्ञानिक तरीके से दोबारा इस्तेमाल किए गए खान क्षेत्र को हरित संपत्तियों में बदला जा सकता है, जो विविधता को बढ़ावा देते हैं, टिकाऊ जीवनयापन को संभव बनाते हैं, और अच्छे रोज़गार के मौके पैदा करते हैं, खासकर स्वयं सहायता समूहों के लिए। साहू शिव शक्ति महिला ग्राम संगठन की 12 महिलाओं में से एक हैं। यह एक स्वयं सहायता समूह है जो छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में केनापारा इको-टूरिज्म की बोटिंग सेवाओं का प्रबंधन करता है। नाव पर सैर इस इको-टूरिज्म पार्क के मुख्य आकर्षण में से एक है। साहू को वे दिन याद हैं जब वह दूसरों पर निर्भर थीं उनकी दुनिया छोटी थी। उन्हें वह सब करना पड़ता था, जिन्हें उन्होंने नहीं चुना था। लेकिन अब, उनकी दुनिया बदल गई है। वह कहती हैं, ''मुझे बहुत गर्व होता है जब मैं कहती हूं कि अब मेरी अपनी पहचान है।'' लोग मुझे 'बोटिंग वाली दीदी' कहते हैं और यह आजादी जैसा लगता है। साहू ने बताया कि वह अब हर दिन 200 रुपये कमाती हैं और अपनी किस्मत खुद बनाती हैं। ''आज मेरे पास फोनपे पर पैसे हैं और मैं अपनी पसंद का खाना खा सकती हूं और अपनी पसंद के कपड़े खरीद सकती हूं। गांव की महिलाओं के लिए साहू का एक संदेश है, ''अपना घर छोड़ो और वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनो।

रेनॉ इंडिया की बिक्री फरवरी में 31 प्रतिशत बढ़कर 3,495 इकाई रही

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी रेनो की थोक बिक्री फरवरी, 2026 में 31 प्रतिशत बढ़कर 3,495 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 2,676 वाहन बेचे थे। रेनो इंडिया ने रविवार को बयान में कहा कि वर्ष 2026 के पहले दो महीनों में कंपनी ने अपनी सकारात्मक वृद्धि दर को बरकरार रखा है और पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 32 प्रतिशत की संचयी वृद्धि दर्ज की है। बयान के अनुसार, कंपनी के नए 'काइगर' और 'ट्राइबर' मॉडल की मजबूत मांग के कारण बिक्री में यह बढ़ोतरी हुई है।

लुकाकू के गोल से नेपोली ने जीत का इंतजार खत्म किया

मिलान। रोमेलु लुकाकू ने शनिवार को यहां हेलास वेरोना के खिलाफ मैच की आखिरी किक पर सत्र का अपना पहला गोल किया जिससे नेपोली का जीत का इंतजार खत्म हुआ। सत्र से पूर्व लगी जांघ की गंभीर चोट के कारण अब तक सत्र में सिर्फ 41 मिनट खेलने वाले लुकाकू ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल करके नेपोली को अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रहे हेलास वेरोना पर 2-1 से जीत दिलाई। लुकाकू ने अपना पिछला गोल पिछले साल 23 मई को किया था जिसके बाद कुछ महीने उनके लिए बहुत बुरे बीते। जांघ में चोट लगने के कुछ समय बाद सितंबर 2025 में 58 साल की उम्र में उनके पिता का अचानक निधन हो गया। यह नेपोली की सभी प्रतियोगिताओं में चार मैच में पहली जीत थी। गत सीरी ए चैंपियन टीम अभी लीग तालिका में तीसरे स्थान पर है और शीर्ष पर चल रहे इंटर मिलान से 14 अंक पीछे है जिसने जिनोआ को 2-0 से हराया।

हॉकी इंडिया ने महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए 20 सदस्यीय टीम घोषित की, सविता निजी कारणों से हटीं

एजेंसी

हैदराबाद। अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से महिला विश्व कप क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है जबकि हॉकी इंडिया ने रविवार को मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 20 सदस्यीय टीम घोषित की। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होना है।

मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के तीन क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। टीम को दो पूल में बांटा गया है जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में हैं जबकि मेजबान भारत,

स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स को पूल बी में रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक सविता ने पारिवारिक कारणों से ब्रेक लिया है। एक सूत्र ने बताया, 'सविता टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं थीं क्योंकि उन्होंने पारिवारिक वजहों से नाम वापस ले लिया था। इसलिए उनके नाम पर विचार करने का कोई कारण नहीं था। अनुभवी सलीमा टीम की अगुआई करती रहेंगी। बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी साझा करेंगी। सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी रक्षा पंक्ति में शामिल हैं जबकि कैप्टन सलीमा, नेहा, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल और दीपिका सोरेंग मिडफील्ड की जिम्मेदारी संभालेंगी। अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू को जगह मिली है। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, ''हम एक साथ अपने पहले टूर्नामेंट को लेकर उत्सुक हैं। हम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रहे हैं जिससे कि टीम में हर कोई अपने काम और भूमिका को समझ सके। हम आगे के मुकाबलों के लिए पूरी तरह से तैयार होने के लिए हैदराबाद में दो अभ्यास मैच खेलेंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत आठ मार्च को उरुग्वे के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद नौ मार्च और 11 मार्च को क्रमशः स्कॉटलैंड और वेल्स के खिलाफ खेलेगी।

एएफसी ने ईरान पर हमले के बाद पश्चिम क्षेत्र चैंपियन्स लीग के मैच स्थगित किए

कुआलालंपुर। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस हफ्ते पश्चिम एशिया में होने वाले महाद्वीपीय क्लब चैंपियनशिप प्ले ऑफ मुकाबलों को स्थगित कर दिया है। एशियाई फुटबॉल की संचालन संस्था ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि पश्चिम क्षेत्र में सोमवार और मंगलवार को होने वाले एएफसी चैंपियन्स लीग एलीट राउंड आफ 16 मुकाबलों के कार्यक्रम को फिर से तय किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र में मंगलवार और बुधवार को होने वाले एफससी चैंपियंस लीग दो और एएफसी चैलेंज लीग क्वार्टर फाइनल मुकाबले भी स्थगित किए जाएंगे। कोई नई तारीखें तय नहीं की गई हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सऊदी क्लब अल नासर एशियाई चैंपियन्स लीग दो प्रतियोगिता में शामिल है। आयोजकों ने कहा कि पूर्व क्षेत्र में एएफसी की सभी महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं के मैच तय समय पर होंगे।

उत्तर प्रदेश बनेगा देश का अगला 'फ्रेंच फ्राई' केंद्र जलवायु परिवर्तन से आलू की गुणवत्ता में सुधार

एजेंसी

साबरकांठा (गुजरात)। उत्तर प्रदेश अपनी बदलती जलवायु और बढ़ते तापमान के कारण आगामी वर्षों में देश के प्रमुख 'फ्रेंच फ्राई' प्रसंस्करण केंद्र के रूप में उभर सकता है। गुजरात स्थित कृषि कारोबार कंपनी 'हाइफार्म' ने राज्य की कृषि क्षमता में आ रहे इस सकारात्मक बदलाव पर भरोसा जताया है। हाइफार्म के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदरराजन एस ने कहा, ''पिछले छह-सात साल में उत्तर प्रदेश के आलू में 'ठोस तत्व' की मात्रा बढ़ी है। इसका मुख्य कारण क्षेत्र के तापमान में क्रमिक वृद्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी तीन से पांच साल में उत्तर प्रदेश आलू प्रसंस्करण के क्षेत्र में एक नयी शक्ति बनकर उभरेगा।

तकनीकी दृष्टि से, गुणवत्तापूर्ण फ्रेंच फ्राई के लिए आलू में 'शुष्क पदार्थ' का अंश 20 से 24 प्रतिशत के बीच होना अनिवार्य है, जिससे वे कुरकुरे बने रहते हैं। उत्तर प्रदेश के आलू में यह स्तर पहले 17 प्रतिशत के आसपास था, जो अब बढ़कर 19-20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कंपनी की विस्तार योजनाओं पर चर्चा करते हुए सुंदरराजन ने कहा कि हाइफार्म का लक्ष्य वर्ष 2028 तक आलू की वार्षिक खरीद को चार लाख टन से बढ़ाकर 10 लाख टन करना है। इसके लिए कंपनी वर्ष 2028 में मध्य प्रदेश और 2030 में उत्तर प्रदेश के कृषि क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज करेगी। वर्तमान में यह कंपनी गुजरात के साबरकांठा और गांधीनगर में 7,000 किसानों के साथ संबद्ध है। कंपनी 'बीज से बाजार तक' मॉडल पर कार्य करती है और अपनी आवश्यकता का लगभग 90-95 प्रतिशत बीज स्वयं तैयार करती है।

फरवरी में जीएसटी संग्रह 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा

नयी दिल्ली। कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह फरवरी में सालाना आधार पर 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। इसमें आयात से प्राप्त राजस्व में हुई उच्च वृद्धि का मुख्य योगदान रहा। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। कुल घरेलू जीएसटी राजस्व 5.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.36 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से सकल राजस्व 17.2 प्रतिशत बढ़कर 47,837 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कुल रिफंड 10.2 प्रतिशत बढ़कर 22,595 करोड़ रुपये रहा। कुल जीएसटी संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 7.9 प्रतिशत अधिक है। शुद्ध उपकर राजस्व 5,063 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल फरवरी में 13,481 करोड़ रुपये था।

एनसीएलएटी का वीडियोकॉन मामले में धूत भाइयों के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पर रोक से इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने कर्ज में डूबी वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज द्वारा कर्ज अदायगी में की गई चूक के मामले में धूत भाइयों ऽ राजकुमार नंदलाल धूत और प्रदीप नंदलाल धूत की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया है, जिसमें उनके खिलाफ व्यक्तिगत दिवाला कार्यवाही शुरू करने को चुनौती दी गई थी। धूत भाइयों के खिलाफ व्यक्तिगत दिवाला कार्यवाही तब शुरू की गई थी, जब भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज द्वारा ऋण चूक पर 5,353.78 करोड़ रुपये का मांग का नोटिस जारी किया था। वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज मुख्य कर्जदार थी, जिसके लिए ये दोनों भाई व्यक्तिगत गारंटर थे। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की दो सदस्यीय पीठ ने पिछले साल जून में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ द्वारा पारित उन दो आदेशों को बरकरार रखा है, जिनमें वीडियोकॉन के संस्थापक वेणुगोपाल धूत के भाइयों के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया गया था। अपीलीय न्यायाधिकरण ने उनकी इस दलील को भी खारिज कर दिया कि एसबीआई द्वारा दायर याचिकाएं समयसीमा के तहत नहीं थीं। एनसीएलटी ने धारा 95 के तहत आवेदन को स्वीकार किया था। न्यायाधिकरण इस बात से संतुष्ट था कि कॉरपोरेट कर्जदार (वीडियोकॉन) वित्तीय ऋणदाता द्वारा दी गई ऋण राशि के पुनर्भुगतान में चूक कर चुका है और व्यक्तिगत गारंटर भी पुनर्भुगतान में विफल रहे हैं। चेयरमैन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और सदस्य (तकनीकी) बरुण मित्रा की पीठ ने कहा, ''हमें चार जून, 2024 और 14 जून, 2024 के आदेशों में हस्तक्षेप करने का कोई ठोस आधार नहीं मिला है। दोनों अपीलें खारिज की जाती हैं।

ईरान संकट: भारत के लिए तेल आपूर्ति में तत्काल बाधा नहीं, संघर्ष खिंचने पर बढ़ सकती है रूस से खरीद

नयी दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्ति मार्ग के बंद होने से भारत को निकट भविष्य में कच्चे तेल की आपूर्ति में किसी बड़े व्यवधान का सामना करने की आशंका नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कच्चे तेल का भंडार कम से कम 10 दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमलों के बाद तेजी से बदलते घटनाक्रम में इस्लामिक गणराज्य के सर्वोच्च नेता के मारे जाने की खबरें भी शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह संघर्ष बहुत लंबा नहीं चलेगा। हालांकि, शीर्ष अधिकारियों और विश्लेषकों का कहना है कि यदि तनाव बढ़ता है, तो भारत के पास आकस्मिक योजनाएं तैयार हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने 28 फरवरी को कहा था कि अमेरिका और इजरायल के मिसाइल हमलों के जवाब में उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा निकासी बिंदुओं में से एक है, जिससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। अधिकारियों ने कहा कि कम अवधि के लिए इसके बंद होने से भारत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा क्योंकि उसके पास ईंधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त आपूर्ति है। उन्होंने आगे कहा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है, तो देश रूसी तेल की खरीद बढ़ाकर अपने आयात स्रोतों में बदलाव कर सकता है।

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच शेयर बाजारों में गिरावट की आशंका: विश्लेषक

एजेंसी

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के कारण सोमवार को शेयर बाजारों में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी। हालांकि, बाजार में गिरावट इस बार पर निर्भर करेगी कि यह संघर्ष कितने समय तक चलता है। विश्लेषकों ने यह बात कही। अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान पर हमला किया था। ईरानी सरकारी मीडिया ने रविवार सुबह पुष्टि की कि इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए हैं। भू-राजनीतिक स्थिति के अलावा, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणा, वैश्विक बाजार के रुझान और

विदेशी निवेशकों के रुख से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। होली के अवसर पर मंगलवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''पश्चिम एशिया में बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के बाद निवेशकों का उत्साह और भी कम हो गया है। मीणा ने कहा, भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्था के लिए कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति, राजकोषीय संतुलन और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के लिए जोखिम पैदा करती हैं। यह बाहरी झटका बाजार के लिए एक तकनीकी रूप से कमजोर क्षण में आया है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच सोमवार को बाजार गिरावट के साथ खुल सकते हैं। निवेशक तीसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों और मासिक वाहन बिक्री के आंकड़ों पर भी प्रतिक्रिया देंगे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.87 प्रतिशत चढ़कर 72.87 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

चीन का रिकॉर्ड ध्वस्त कर काशी ने रचा नया वैश्विक कीर्तिमान, एक घंटे में रोपे 251446 पौधे

- रामनगर डोमरी के 'शहरी वन' में गूंजा हर-हर महादेव
- गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुई काशी की ऐतिहासिक सफलता
- वाराणसी बना दुनिया का सबसे बड़ा मियावाकी वन क्षेत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी ने रविवार को पर्यावरण संरक्षण के इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज करा लिया है। वाराणसी के सुजाबाद डोमरी क्षेत्र में आयोजित 'वृहद पौधरोपण कार्यक्रम' ने एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है जिसने पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया है। मात्र एक घंटे की निर्धारित समयावधि के भीतर वाराणसी ने 2,51,446 पौधों का सफल रोपण कर चीन के आठ साल पुराने रिकॉर्ड को आधिकारिक रूप से ध्वस्त कर दिया है। मौके पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के जज ऋषि नाथ ने महापौर अशोक कुमार तिवारी व हिमांशु पाल को नया कीर्तिमान स्थापित करने पर सर्टिफिकेट भी सौंपा। इस ऐतिहासिक पल को दर्ज करने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम सुबह से ही डोमरी में मौजूद रही। नगर निगम और विभिन्न सामाजिक व सरकारी संस्थाओं के अभूतपूर्व समन्वय से सुजाबाद डोमरी के 350 बीघा क्षेत्र में विकसित किए गए इस आधुनिक 'शहरी वन' ने आज विश्व पटल पर भारत का मस्तक ऊंचा कर दिया है। अब तक एक घंटे में सर्वाधिक पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड चीन की हेनान प्रांतीय समिति और हेनान शिफंगे ग्रीनिंग इंजीनियरिंग कंपनी के नाम था। उन्होंने 10 मार्च 2018 को 153,981 पौधों का रोपण कर यह गौरव हासिल किया था। हालांकि, डोमरी में मियावाकी तकनीक और विशाल जनभागीदारी के माध्यम से जिस सुनियोजित ढंग से 250,000 पौधों का रोपण किया गया, उसने न केवल चीन के रिकॉर्ड को तोड़ा है, बल्कि उसे बहुत पीछे छोड़ दिया है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के निर्णायक ऋषि नाथ और विश्व रिकॉर्ड रणनीतिकार निश्चल बारोट ने मौके पर मौजूद रहकर प्रत्येक गतिविधि की सूक्ष्मता से निगरानी की। ड्रोन कैमरों और आधुनिक डिजिटल गणना तंत्र के जरिए हुई सटीक पुष्टि के बाद ऋषि नाथ ने आधिकारिक रूप से इस नए रिकॉर्ड की घोषणा की। इस 'शहरी वन' की सबसे अनूठी विशेषता इसकी बनावट और वैचारिक पृष्ठभूमि है। पूरे वन क्षेत्र को 60 अलग-अलग सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेक्टर का नाम काशी के सुप्रसिद्ध गंगा घाटों जैसे -दशाश्वमेध, ललिता घाट, नया घाट, मणिकर्णिका घाट, केदार घाट, चौशट्टी घाट, मानमंदिर घाट और शीतला घाट के नाम पर रखा गया है। यह बनावट ऐसी है कि भविष्य में जब ये पौधे वृक्ष बनेंगे, तो गंगा किनारे एक हरा-भरा 'मिनी काशी' का स्वरूप नजर आएगा। प्रत्येक सेक्टर में लगभग 4,000 से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इनमें शीशम, अर्जुन, सागौन और बांस जैसी 27 देशी प्रजातियों के साथ-साथ आम, अमरूद और पपीता जैसे फलदार वृक्षों और अश्वगंधा, शतावरी व गिलोय जैसी औषधियों को प्राथमिकता दी गई है। इस विश्व रिकॉर्ड को बनाने के पीछे महीनों की सूक्ष्म तैयारी और हजारों हाथों का सामूहिक श्रम शामिल है। रविवार की सुबह से ही डोमरी में भारी उत्साह का माहौल रहा। इस महाभियान में सुरक्षा एवं सैन्य बल ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय सेना के 39 जीटीसी, 34 जीटीसी, 39 जीआर, और 137 सीएफटीएफ (टीए) के जवानों ने अनुशासन की मिसाल पेश की। वहीं, एनडीआरएफ, सीआरपीएफ, नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) और उत्तर प्रदेश पुलिस की 36 व 39 वाहिनी पीएसी के जवानों ने पूरी ऊर्जा के साथ पौधरोपण किया। अभियान में नमामि गंगे, उत्तर प्रदेश वन विभाग, कृषि विभाग, डूडा और नगर निगम की टीमों ने तकनीकी प्रबंधन और सिंचाई की व्यवस्था संभाली। इस ऐतिहासिक अभियान में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, यूपी कालेज, देहरादून पब्लिक स्कूल, मुकुलारेंडम स्कूल के हजारों छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस के स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम को एक जन-आंदोलन में बदल दिया। ढाई लाख पौधों के इस विशाल लक्ष्य को जीवित रखने के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। वन क्षेत्र में 10,827 मीटर लंबी अत्याधुनिक पाइपलाइन बिछाई गई है। 10 बोरवेल और 360 'रेन गन' सिस्टम के जरिए सिंचाई की ऐसी व्यवस्था की गई है कि पानी की बर्बादी न हो। मियावाकी तकनीक के कारण ये पौधे सामान्य की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ेंगे और मात्र दो से तीन वर्षों में यह क्षेत्र एक सघन 'ऑक्सीजन बैंक' का रूप ले लेगा। जापानी वनस्पति शास्त्री अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित यह तकनीक कम जगह में घना जंगल उगाने के लिए विश्व प्रसिद्ध है। कार्यक्रम के दौरान बीएचयू के कुलपति प्रो.अजित कुमार चतुर्वेदी, महापौर अशोक कुमार तिवारी, विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र राय, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, अश्वनी त्यागी, और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल श्याम भूषण शर्मा उपस्थित रहे। महापौर ने भावुक होते हुए कहा कि यह आध्यात्मिक शांति और आधुनिक अर्थशास्त्र का एक अनूठा उदाहरण है। प्रशासन की टीमें स्थल पर डटी रहीं और अंततः काशी ने विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। महापौर अशोक तिवारी ने कहा कि ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि काशी न केवल अपनी प्राचीन परंपराओं को संजोए हुए है, बल्कि पर्यावरण जैसे वैश्विक मुद्दों पर भी दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। ढाई लाख पौधों की यह नई सौगात काशी के माथे पर एक और गौरवपूर्ण तिलक है।

टाईकॉन यूपी 2026 में डीप-टेक निवेश को मिली नई गति : डॉ. आशुतोष अग्निहोत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। आईआईटी कानपुर की शोध क्षमता को संरचित पूंजी और बाज़ार नेटवर्क से जोड़कर डीप-टेक नवाचार को नई गति दी जा रही है। यह बातें रविवार को एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आशुतोष अग्निहोत्री ने टाईकॉन यूपी 2026 के दौरान कही।

दो दिवसीय टाईकॉन यूपी 2026 के दौरान स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी), आईआईटी कानपुर ने डीप-टेक निवेश और रणनीतिक नवाचार संवाद को दिशा देने में केंद्रीय भूमिका निभाई। आयोजन में उत्तर प्रदेश समेत देश के विभिन्न हिस्सों से वेंचर कैपिटल निवेशक, उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि, नीति-निर्माता और स्टार्टअप संस्थापक एक मंच पर जुटे। पहले दिन संरचित निवेशक सहभागिता और स्टार्टअप प्रस्तुति पर फोकस रहा। एसआईआईसी और उद्यम पूंजी फर्मों के बीच बंद कमरे में रणनीतिक बैठक में आईआईटी कानपुर की शोध अवसंरचना और बौद्धिक संसाधनों के व्यावसायीकरण पर चर्चा हुई। इसके तहत दो-चरणीय स्टार्टअप प्रस्तुति कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 20 स्टार्टअप्स के त्वरित प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया गया। इनमें से आठ स्टार्टअप्स को विस्तृत निवेश प्रस्तुति और आगे की गहन जांच प्रक्रिया के लिए चुना गया। चयनित स्टार्टअप्स चिकित्सा तकनीक, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग और स्वच्छ तकनीक जैसे क्षेत्रों से जुड़े थे। चयनित आठ में से छह स्टार्टअप्स – ब्राहि्मऑन, एकवायु टेक, मारेअल एयरोस्पेस, डीजीरक्षक, तनप्रिश डायनेमिक्स और ड्रीम एयरोस्पेस – एसआईआईसी, आईआईटी कानपुर में पोषित हैं, जो इसके डीप-टेक पोषण तंत्र की मजबूती को दर्शाता है। दूसरे दिन प्रो. मनींद्र अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश में परिवर्तन की बयार सत्र में प्रदेश के नवाचार परिवेश पर विचार रखे। वहीं प्रो. दीपू फिलिप ने रक्षा और अंतरिक्ष में आत्मनिर्भर भारत के लिए डीप-टेक की भूमिका पर प्रकाश डाला। एसआईआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आशुतोष अग्निहोत्री और मुख्य निवेश अधिकारी अनुराग सिंह ने अकादमिक-उद्योग-निवेशक समन्वय को डीप-टेक स्टार्टअप्स की सफलता की कुंजी बताया।

दहशत का पर्याय बना गुलदार आखिरकार पिंजरे में हुआ कैद

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के नहटौर थाना क्षेत्र के गांव सीकरी बुजुर्ग में चार वर्ष का एक गुलदार वन विभाग के पिंजरे में फस गया। रविवार को सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ गुलदार को देखने के लिए दिखाई दी। पिछले कई दिनों से गुलदार की मौजूदगी के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल था। गुलदार के पकड़े जाने से गांव और आसपास के क्षेत्रों में लोगों ने राहत की सांस ली है। जनपद बिजनौर के नहटौर थाना क्षेत्र के गांव सीकरी बुजुर्ग में वन विभाग ने सीकरी बुजुर्ग के पास स्थित एक आम के बाग में पिंजरा लगाया था। विभाग को लगातार गुलदार की आवाजाही की सूचना मिल रही थी। बीती रात शिकार की तलाश में घूमते समय गुलदार पिंजरे में फंस गया। रविवार सुबह जैसे ही गुलदार के पिंजरे में कैद होने की खबर फैली, मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने वन विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की और इसे राहत भरा कदम बताया। वन डिप्टी रेंजर हरदेव सिंह ने बताया कि पकड़ा गया गुलदार पूरी तरह स्वस्थ है। उसकी उम्र लगभग चार वर्ष है। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए उसे संभागीय वन कार्यालय ले जाया जा रहा है। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार जल्द ही उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया जाएगा। वन विभाग ने कहा कि क्षेत्र में वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों से भी सतर्क रहने और किसी भी वन्यजीव की सूचना तुरंत विभाग को देने की अपील की गई है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

परीक्षा खत्म होते ही घर जाने के पहले वेद छात्रों ने जमकर उड़ाये गुलाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। वार्षिक परीक्षा की टेंशन खत्म होते ही होली की छुट्टी पर घर जाने के पहले वेद छात्रों ने रविवार को जमकर गुलाल उड़ाये और एक दूसरे को होली की बधाई दी। झूंसी स्थित परमानन्द आश्रम में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के वेद छात्रों ने सबसे पहले श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर, गंगेश्वर महादेव, शारदेश्वर महादेव में भगवान को गुलाल अर्पित किया और पारम्परिक रूप से रंगोत्सव की शुरुआत की। इस अवसर पर वेद पाठशाला के सभी वेदाध्यापकों ने छात्रों को त्योहार के लिए बधाई एवं आशीर्वाद दिया। विद्यालय के प्राचार्य ब्रजमोहन पांडेय ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वाराणसी के प्रसिद्ध उद्योगपति ड्रोलिया परिवार ने आश्रम स्थित मंदिर एवं वेद छात्रों के लिए विशेष रूप से सुगंधित हर्बल गुलाल भेजा और अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सभी छात्रों को यह गुलाल वितरित किया गया। वेद छात्रों ने इस दौरान अपने अध्यापकों को भी जमकर गुलाल लगाया और सहपाठियों के साथ खूब रंग खेला। आम तौर पर सफ़ेद वस्त्रों में रहने वाले छात्रों में कोई ऐसा नहीं बचा, जिसके कपड़े साफ-सुथरे दिखाई दे रहे हों। छोटे-बड़े सभी वैदिक छात्र रंगों से सराबोर दिखे। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी महाराज एवं उपाध्यक्ष स्वामी शरद पुरी जी महाराज ने सभी को रंगों के पावन पर्व की शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया और पारम्परिक मिष्ठान गुझिया, रसगुल्ला, क्रीम पेस्ट्री वितरित कराया। इस दौरान संस्था के सभी छात्र, अध्यापकगण, आश्रमवासी मौजूद रहे।

चंद्रग्रहण के दिन अपरान्ह 4.30 बजे से बंद होंगे श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के कपाट

- ग्रहण मोक्ष के पश्चात शास्त्रोक्त विधि से उग्रह (मोक्ष) पूजन के बाद खुलेगा मंदिर का पट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा (तीन मार्च) को साल के पहले चंद्रग्रहण पर सूतककाल में धर्म नगरी वाराणसी के सभी मंदिर और देवालय बंद रहेंगे। चंद्रग्रहण के 09 घंटे पूर्व लगने वाले सूतककाल को देखते हुए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन नहीं होगा। परंपरा के अनुसार श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का कपाट ग्रहण प्रारंभ होने से डेढ़ घंटे पूर्व अपराह्न 4:30 बजे बंद हो जाएगा। ग्रहण मोक्ष सायं 6:47 बजे के बाद शास्त्रोक्त विधि से उग्रह (मोक्ष) पूजन सम्पन्न किया जाएगा। पूजन उपरांत शुद्धिकरण एवं आवश्यक धार्मिक विधि-विधान पूर्ण करने के बाद सायं 7:15 बजे के पश्चात मंदिर का कपाट श्रद्धालुओं एवं जनमानस के लिए पुनः खोल दिया जाएगा। रविवार को यह जानकारी मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ विश्वभूषण मिश्र ने दी। उन्होंने ग्रहण के दिन के लिए शिवभक्तों और श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि मंदिर के समय-सारिणी को ध्यान में रखते हुए अपने दर्शन की योजना बनाएं। बताते चले रंगों के त्योहार होली के दिन इस साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। ग्रहण 3 मार्च को पड़ेगा, जो भारत में भी दिखाई देगा और इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य होगा। साल के इस पहले चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटे 27 मिनट तक रहेगी।

जरूरतमंद बच्चों को रंग-पिचकारी देकर बांटी होली की खुशियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में एक विचित्र सेवा समिति द्वारा बीते वर्षों की भांति इस वर्ष भी समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व में होली पर्व के अवसर पर रविवार को प्रातः 9 बजे समिति के ग्रामीण कार्यालय धीरजपुर में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं तथा एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली का उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर समिति की ओर से लोहा पीटो समुदाय एवं अन्य जरूरतमंद ग्रामीण बच्चों के साथ खुशियां साझा करते हुए उन्हें पिचकारी, रंग, मिठाई, नमकीन एवं अन्य खाद्य सामग्री वितरित की गई। समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता ने बताया कि मौजूदा महंगाई के दौर में लोग प्रमुख त्योहारों को प्रायः अपने परिवार तक सीमित कर लेते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अनेक परिवार ऐसे हैं, जिन्हें पारंपरिक त्योहारों की पूर्ण जानकारी और उत्सव मनाने का अवसर भी नहीं मिल पाता। दैनिक मजदूरी कर जीवन-यापन करने वाले इन परिवारों के बच्चे प्रायः त्योहारों की खुशियों से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्यों को जरूरतमंद लोगों एवं बच्चों के साथ खुशियां बांटकर आत्मिक संतोष एवं अपार आनंद की अनुभूति होती है। सर्व समाज की गरीब कन्याओं के विवाह में यथासंभव सहयोग तथा वास्तविक जरूरतमंदों की सेवा का कार्य समिति द्वारा आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा।

होली पर्व में आंख, पेट और त्वचा की सुरक्षा को लेकर लापरवाही हुई तो संकट आना तय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। रंगों का पर्व होली खुशियों का त्योहार है। आप को रंग एवं खान पान में सावधानी रखना है। यदि तनिक भी लापरवाही हुई तो आप के जीवन में संकट खड़ा हो सकता है। यह अपील रविवार को जनमानस से प्रयागराज के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अरुण कुमार तिवारी ने की है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि होली का त्योहार जहां रंगों और उमंग का संदेश देता है, वहीं थोड़ी-सी लापरवाही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी खड़ी कर सकती है। शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि उत्सव के दौरान आंखों, पेट और त्वचा की विशेष देखभाल करें, ताकि त्योहार की खुशियां सुरक्षित बनी रहें। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं प्रसिद्ध नेत्र सर्जन एवं प्रोफ़ेसर डॉ. एस.पी. सिंह कहना है कि बाजार में मिलने वाले कई रंगों में हानिकारक केमिकल मिले रहते हैं, जिनसे आंखों में जलन, लालिमा, सूजन और संक्रमण हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर होली खेलना खतरनाक हो सकता है। होली खेलने से पहले आंखों के आसपास हल्का तेल लगाएं और संभव हो तो चश्मा पहनें। यदि आंख में रंग चला जाए तो तुरंत साफ पानी से धोएं, आंखों को रगड़ें नहीं और किसी भी प्रकार की घरेलू दवा या गुलाबजल न डालें। धुंधला दिखाई देना, तेज दर्द या लगातार जलन होने पर तत्काल नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें। डॉ. सिंह ने कहा, थोड़ी-सी सावधानी से हम त्योहार की खुशी को सुरक्षित रख सकते हैं। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संदीप प्रजापति ने कहा कि गुझिया, मालपुआ, दही-भल्ला और ठंडाई जैसे पारंपरिक व्यंजन होली की पहचान हैं, लेकिन अत्यधिक तला-भुना और मीठा भोजन पेट की समस्याओं को जन्म दे सकता है। उन्होंने बताया कि ज्यादा मिठाई, ठंडाई या भांग का सेवन गैस, एसिडिटी, उल्टी-दस्त और पेट दर्द का कारण बन सकता है। उन्होंने साफ पानी पीने, बासी भोजन से बचने और ताजे फल-सलाद को आहार में शामिल करने की सलाह दी। यदि पेट खराब हो जाए तो हल्का और सुपाच्य भोजन लें, ओआरएस या नारियल पानी का सेवन करें और समस्या बढ़ने पर चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के स्किन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. एस.के. ओझा ने कहा कि होली में प्रयोग होने वाले रासायनिक रंग त्वचा पर एलर्जी, खुजली और रैशेज का कारण बन सकते हैं। उन्होंने सलाह दी कि होली खेलने से पहले शरीर पर तेल या मॉइश्चराइज़र लगाएं, पूरे बाजू के कपड़े पहनें और हर्बल रंगों का उपयोग करें। रंग लगने के बाद गुनगुने पानी से धीरे-धीरे साफ करें और कठोर साबुन का प्रयोग न करें। यदि त्वचा पर अधिक खुजली, सूजन या जलन होने लगे तो आप चिकित्सक से संपर्क करें।